mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-161 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

13 जून 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

दीपिका पादुकोण...

@ पेज 7

अहमदाबाद में जो विमान क्रैश हुआ, उसे बनाने वाली कंपनी का सामने आया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एयर इंडिया का जो विमान क्रैश हुआ, उसे अमेरिका की बोइंग कंपनी की ओर से बनाया गया था। अब विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग ने इस हादसे को लेकर बयान जारी किया है।

● प्लेन के क्रैश होने की घटना को लेकर हर कोई दुखी

गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया के प्लेन के क्रैश होने की घटना को लेकर हर कोई दुखी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी समेत देश और दुनिया के तमाम नेताओं ने इस घटना पर शोक जाहिर किया है। दरअसल, एयर इंडिया के ये विमान अहमदाबाद से लंदन के लिए जा रहा था। हालांकि, उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की मौत की संभावना जताई जा रही है। एयर इंडिया का ये विमान अमेरिकी कंपनी बोइंग द्वारा बनाया गया था। अब इस हादसे पर बोइंग की ओर से भी बयान जारी किया गया है।

बोइंग ने क्या कहा? अहमदाबाद में गुरुवार को एयर इंडिया के प्लेन के क्रैश होने की घटना पर अमेरिकी कंपनी बोइंग ने कहा- ÷हम फ्लाइट 171 के बारे में एयर इंडिया के संपर्क में हैं और उनकी सहायता के लिए तैयार हैं। हमारी संवेदनाएं यात्रियों, चालक दल और सभी प्रभावितों के साथ हैं।÷

जानें विमान के बारे में खास बातें: अहमदाबाद में हादसे का शिकार हुआ एयर इंडिया का विमान अमेरिकी कंपनी बोइंग का 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन था। बोइंग 787-8 में बिजनेस क्लास और इकोनॉमी क्लास की कुल 254 से लेकर 267 सीट होती हैं। जानकारी के मुताबिक, 787 ड्रीमलाइनर बड़े आकार वाला दो इंजन वाला विमान है। एविएशन सेफ्टी नेटवर्क डेटाबेस के अनुसार, यह बोइंग 787 विमान की पहली दुर्घटना है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश पीएम स्टॉर्मर ने एयर इंडिया विमान हादसे पर जताया दुख, बताया 'भयावह'

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद, लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शोक व्यक्त किया है। इस विमान में 53 ब्रिटिश नागरिकों सहित कुल 242 लोग सवार थे। अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान क्रैश हो गया था। इस विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे। स्टॉर्मर ने एक बयान में कहा, ''कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन आ रहे विमान के भारतीय शहर अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने

का दृश्य भयावह है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पल-पल की जानकारी दी जा रही है तथा इस अत्यंत दुखद समय में मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।''

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, ''भारत के अहमदाबाद में हुए विनाशकारी विमान हादसे की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। ब्रिटेन भारत में स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर तथ्यों का तत्काल पता लगाने और सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है।'' लैमी ने कहा कि ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने दिल्ली और लंदन दोनों जगहों पर आपात टीम गठित की हैं।

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश लेकिन...

लंदन (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध हाल के दिनों में सामान्य नहीं रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने दोनों देशों के संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। यूनुस ने कहा है कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती है लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ गलत हो जाता है। लंदन में 'चाथम हाउस' थिंक टैंक के निदेशक ब्रोनवेन मैडॉक्स के साथ बातचीत में यूनुस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लिए लोकतांत्रिक रोडमैप सहित कई मुद्दों पर बात की है।

मैडॉक्स ने यूनुस से शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर सवाल पूछा जिसके जवाब में उन्होंने कहा, ''यह जारी रहेगा, हम चाहते हैं कि पूरी प्रक्रिया कानूनी, बहुत उचित हो। हम भारत के साथ बेहतर संबंध बनाना चाहते हैं। यह हमारा पड़ोसी है, हम नहीं चाहते कि उनके साथ किसी भी तरह की बुनियादी समस्या हो।'' जब हसीना के बारे में भारत की भूमिका को लेकर सवाल किया तो यूनुस ने जवाब दिया, ''(हसीना के खिलाफ) सारा गुस्सा अब भारत में स्थानांतरित हो गया है क्योंकि वह वहां गई हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने का मौका मिला, तो मैंने बस इतना कहा- आप उनकी मेजबानी करना चाहते हैं, मैं आपको उस नीति को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। लेकिन, कृपया यह सुनिश्चित करने में हमारी मदद करें कि वह बांग्लादेशी लोगों से उस तरह बात ना करें जिस तरह वह (ऑनलाइन) कर रही हैं।'' यूनुस ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि हसीना की सोशल मीडिया गतिविधियों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

बिना संस्कार के बच्चे सोनम बन जाते हैं: कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्याकांड का मामला चर्चा में है और हत्याकांड की आरोपी पत्नी सोनम समेत 5 आरोपियों को शिलॉन्ग कोर्ट ने 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। इस मामले पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बयान सामने आया है। कैलाश विजयवर्गी ने कहा, बचों को पढ़ाना लिखाना अछी बात है लेकिन उन्हें संस्कार भी दें। बिना संस्कार के बचे सोनम बन जाते हैं। हमारे इंदौर को उस बेटी ने कलंकित कर दिया। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, हम कहीं भी जाते हैं, फिर चाहें वो इंदौर, भोपाल या ग्वालियर क्यों ना हो, सब इंदौर की घटना के लिए पूछते हैं। बात करने में भी शर्म आती है। जब बचों में संस्कार हो तो कभी ऐसे काम नहीं करते। एक रोटी कम खाना लेकिन बचों को संस्कार जरूर देना। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, अगर कोई महिला हो, जिसमें शर्म नहीं हो, ममता नहीं हो और प्यार नहीं हो और केवल शरीर हो तो ऐसी महिला पूतना होती है। पूतना, भगवान कृष्ण के लिए कटोरे में जहर लेकर गई थी। पूतना में ममता, करुणा नहीं थी। प्यार नहीं था। कोई मां अपने बचों को मारती है क्या? मैं हमेशा कहता हूं कि नशे से बचों को बचाना चाहिए। जो सोनम के साथ पकड़े गए हैं, वह नशा करते होंगे। क्षेत्र में कोई नशा भेजता हो तो हमें जरूर बताना, हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे

अहमदाबाद विमान हादसा, भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी थी कि एक अन्य व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थोड़े और समय पहले क्क ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने ङ्ग पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं।

हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान DNA टेस्ट के बाद ही संभव होगी।

10 साल पहले खोये बच्चे को नोएडा पुलिस ने परिवार से मिलाया

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा पुलिस ने हरियाणा पुलिस की मदद से एक 10 साल पहले खोए बच्चे को उसके परिवार से मिलाया है। पुलिस के इस काम की हर तरफ तारीफ हो रही है। दरअसल नोएडा के गेझा गांव से साल 2015 में एक 7 साल का बच्चा गायब हो गया था, जो अब 10 साल बाद सकुशल मिला है। थाना फेस-2 पुलिस और फरीदाबाद पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की, जिससे बच्चा अपने परिवार से मिल सका। बच्चे को फरीदाबाद में एक अपहरण केस में गिरफ्तार आरोपी मंगल कुमार के पास से बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस का बयान भी सामने आया है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की ओर से जारी बयान के मुताबिक, थाना फेस-2 पुलिस द्वारा हरियाणा पुलिस की मदद से 10 वर्ष पहले वर्ष 2015 में थाना नोएडा के गेझा मन्दिर के पास से लापता /अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया, 6 नवंबर 2015 को करीब 7 साल का एक बच्चा नोएडा के ग्राम गेझा, थाना फेस-2 क्षेत्र से खेलते समय लापता हो गया था। बालक की गुमशुदगी की सूचना 8 नवंबर 2015 को दी गई, जिस पर थाना फेस-2 में अभियोग पंजीकृत किया गया।

प्लेन क्रैश हादसे के बीच दिल्ली में रेल दुर्घटना, पटरी से उतरी ट्रेन की बोगी

दिल्ली के शिवाजी ब्रिज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में हुए प्लेन क्रैश के बड़े हादसे के बीच दिल्ली से ट्रेन दुर्घटना की खबर सामने आई है। दिल्ली में गुरुवार दोपहर 4÷10 बजे एक ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उत्तरी रेलवे के अनुसार, डाउन मेन लाइन पर शिवाजी ब्रिज के पास ट्रेन नंबर-64419 (निजामुद्दीन-गाजियाबाद ईएमयू) का एक कोच पटरी से उतर गया।

यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से गाजियाबाद की ओर जा रही थी। इस दौरान शिवाजी ब्रिज स्टेशन के पास ट्रेन का 4 नंबर डिब्बा पटरी से उतर गया। उत्तरी रेलवे ने बताया कि इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है और न ही कोई हताहत हुआ है। ऐसे में यह राहत की बात है कि एक बड़ा हादसा टल गया। यह ट्रेन गाजियाबाद से दिल्ली के बीच चलती है। रेलवे के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

प्लेन क्रैश में 242 लोगों ने गंवाई जानः इससे पहले गुजरात के अहमदाबाद में बड़ा हादसा हो गया। एयर इंडिया की फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए टेक ऑफ हुई और कुछ ही देर में हादसे की शिकार हो गई। इसमें 242 यात्री सवार थे, जिनमें 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस हादसे में इन सभी की मौत हो गई। क्रैश होते ही विमान आग के गोले में तब्दील हो गया। साथ ही आस-पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। यह हादसा अहमदाबाद हॉर्स कैंप के पास हुआ है, जो सिविल हॉस्पिटल के पास है। हादसे के बाद एयरफोर्स और आर्मी की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। ह्रष्ठक्रस्न की भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है।

शताब्दी एक्सप्रेस पर दो बार हुआ पथराव

भोपाल-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस के कोच के शीशे टूटे, रोकी गई ट्रेन

ग्वालियर (एजेंसी)। भोपाल से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर बुधवार को दो स्थानों पर पथराव हुआ, जिससे ट्रेन के शीशे टूट गए। पहला पथराव दतिया के पास हुआ, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने चलती ट्रेन पर पत्थर फेंके। इसके बाद, ट्रेन ग्वालियर स्टेशन पर पहुंची तो वहां भी पथराव की घटना हुई।

शताब्दी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या- 12001 के कोच ष्ट3 पर हमला हुआ। पथराव इतना जोरदार था कि कोच के शीशे टूट गए। घटना में यात्री बाल-बाल बच गए। घटना के बाद ग्वालियर स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस को रोक दिया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (त्रक्रक्क) ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों से पूछताछ शुरू कर दी है। अभी तक पथराव करने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। यात्रियों ने बताया कि पथराव के बाद वे काफी दहशत में थे।

बीते दिनों बिहार के भागलपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर थराव की घटना सामने आई। रविवार शाम यह हमला टेकानी रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जिसमें सी-7 कोच के 42 और 43 नंबर सीट की खिड़कियों के शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया।

यह घटना उस समय हुई जब वंदे भारत एक्सप्रेस भागलपुर से हावड़ा जा रही थी। जैसे ही ट्रेन टेकानी स्टेशन के पास पहुंची, तो कुछ अज्ञात लोगों ने उस पर पथराव कर दिया। इस हमले में कोई यात्री घायल नहीं हुआ, लेकिन ट्रेन की दो खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। पथराव से ट्रेन की स्पीड कुछ समय के लिए धीमी कर दी गई, लेकिन बाद में उसे गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

गठबंधन की अटकलों के बीच फडणवीस से मिले राज ठाकरे?

दोनों नेताओं की मुलाकात स्थानीय निकाय चुनाव से पहले अहम मानी जा रही

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को सुबह मुंबई के एक होटल में मुलाकात की। यह मुलाकात शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे में सुलह की अटकलों के बीच हुई है। बीजेपी के सीनियर नेता फडणवीस और राज ठाकरे ने सुबह यहां बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में मुलाकात की। सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है लेकिन विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

इस बारे में संपर्क करने पर बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि दोनों नेता अच्छे दोस्त हैं और राज्य से संबंधित विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिले होंगे। महाराष्ट्र सरकार ने इस सप्ताह मुंबई सहित 29 नगर निगमों के लिए वार्ड परिसीमन का आदेश जारी करके स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी। इन चुनाव से पहले ठाकरे बंधुओं के बीच संभावित सुलह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

दोनों नेताओं की मुलाकात स्थानीय निकाय चुनाव से पहले अहम मानी जा रही है। यह मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे साथ आने की भी बात कर रहे हैं। ऐसे में अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या महाराष्ट्र में गठबंधन की नई पटकथा लिखी जा रही है?

वहीं, आपको बता दें कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने के बाद से सीएम फडणवीस और राज ठाकरे की मुलाकात कई बार हुई है। जब एकनाथ शिंदे की नाराजगी की खबरें आ रही थीं, तब भी दोनों के बीच मुलाकात हुई थी। उस दौरान भी दोनों नेताओं में क्या बातचीत हुई थी, यह सामने नहीं आया था।

राज्य के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे शिवसेना यूबीटी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बेटे हैं और राज ठाकरे उनके चाचा हैं। राज ठाकरे एक वक्त अविभाजित शिवसेना के बड़े चेहरे हुआ करते थे। हालांकि, मनमुटाव के कारण वह 2005 में शिवसेना से अलग हो गए थे। इसके बाद राज ठाकरे ने 2006 में अपनी पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की स्थापना की थी।

राजनीतिक रूप से कई वर्ष पहले ही अलग हो चुके ठाकरे भाइयों ने अपने हालिया बयानों से इस तरह की अटकलों को हवा दी जिनसे संकेत मिला कि वे 'मामूली मुद्दों' को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक तक अलग रहने के बाद हाथ मिला सकते हैं। राज ठाकरे ने कहा था कि 'मराठी मानुस' (मराठी भाषी लोगों) के हित में एकजुट होना मुश्किल नहीं है, वहीं उद्धव ने इस बात पर जोर दिया कि वह मामूली झगड़ों को अलग रखने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को शामिल न किया जाए।

तभी तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, 1 पुलिसकर्मी की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार रात वाहन चेंकिंग के दौरान बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक महिला पुलिसकर्मी समेत तीन पुलिसकर्मी गंभीर रुप से घायल हो गए। इलाज को दौरान महिला पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। पटना में सीनियर एसपी अवकाश कुमार के निर्देश पर वाहन जांच अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान पटना के अटल पथ पटना पुलिस वाहन जांच कर रही थी। रात में लगभग 12÷00 के करीब एक बेकाबू तेज रफ्तार कार ने तीन पुलिसकर्मियों को कुचल दिया। इस हादसे में एक दरोगा, एक एएसआई और एक महिला कांस्टेबल शामिल घायल हुए। घटना पटना के एस के पुरी थाना क्षेत्र की है, जब पटना पुलिस वाहन चेकिंग अभियान में लगी थी। रात 10÷30 बजे से 12÷30 बजे तक यह विशेष अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान देर रात चार पहिया वाहन ने वाहन चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ा दी। इससे मौके पर अफरा तफरी मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना एसएसपी समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घायल पुलिस कर्मियों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण सत्रों में व्याख्यान के साथ हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा एवं मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय इनक्यूबेटर कार्यशाला के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा अत्यंत उपयोगी विषयों पर व्याख्यान दिए गए। प्रथम सत्र में श्री रोनाल्ड फर्नांडीज़ द्वारा फायनेशियल प्लानिंग एंड रेवेन्यू मॉडल फॉर इनक्यूबेटर विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने इनक्यूबेटर के दीर्घकालिक संचालन हेतु वित्तीय योजना, संसाधनों के विविधीकरण तथा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उपायों पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में डॉ. संजीव पाटनी, सीईओ, एआईसी-प्रेस्टिज इंदौर द्वारा क्रिएटिंग विजिबिलिटी एंड इन्क्यूबेटी पाइपलाइन विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक इनक्यूबेटर को सामाजिक एवं औद्योगिक स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है तथा नवाचारकर्ताओं की एक सतत पाइपलाइन कैसे तैयार की जाए। तृतीय सत्र में श्री अपूर्व गैवक, निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन, डिजाइन एंड इनक्यूबेशन, कार्यशाला में प्रदेश के 12 निजी विश्वविद्यालयों, 16 शासकीय विश्वविद्यालयों, 18 स्वायत्त महाविद्यालयों एवं 1 संबद्ध महाविद्यालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला की समाप्ति के बाद सभी सहभागियों ने फीडबैक दिया एवं सभी सहभागियों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किये गए।

नगरीय आपदाओं की रोकथाम के लिये नियंत्रण कक्ष

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे के निर्देश पर वर्षा ऋतु में प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जल-भराव, बाढ़, जर्जर भवनों के गिरने जैसी संभावित आपदाओं से निपटने के लिये भोपाल में राज्य स्तर पर आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। नियंत्रण कक्ष के संचालन एवं समन्वय के लिये एक विशेष दल का गठन किया गया है, जिसमें कार्यपालन यंत्री श्री उपदेश शर्मा, सहायक यंत्री श्री सुनील श्रीवास्तव सहित कुल 8 अधिकारी-कर्मचारी पदस्थ किये गये हैं। यह दल प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित करने और संबंधित नगरीय निकायों के बीच कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। राज्य स्तरीय आपदा नियंत्रण कक्ष बाढ़ अथवा जल-भराव की स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों के विस्थापन, मूलभूत सुविधाओं जैसी उपलब्धता के लिए समन्वय भी सुनिश्चित करेगा। नियंत्रण कक्ष मौसम कार्यालय से समन्वय कर पूर्व सूचना प्राप्त करेगा तथा संभावित रूप से प्रभावित नगरीय निकायों को अलर्ट भी जारी करेगा।

ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय- मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य मंत्रि परिषद की गत दिवस हुई बैठक में %मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना% के अंतर्गत 30 हजार 900 किलोमीटर लंबी सड़कों के निर्माण के लिए 21 हजार 630 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय न केवल सुदूर ग्रामीण अंचलों को शहरों से जोड़ेगा, बल्कि प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक प्रगति का सशक्त आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण बस्तियों की मूलभूत सुविधाओं की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो विकास को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने के संकल्प को साकार करेगी। राज्य सरकार ने सुदूर ग्रामीण बसाहटों जैसे मजरा, टोला, धोनी, पुरा आदि को हर मौसम में संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

भारतीय ज्ञान परपरा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करने की आवश्यकता : आयुष मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुर्वेद, भारत की पुरातन चिकित्सा पद्धति है, हमारे पूर्वजों ने विश्व में भारतीय ज्ञान परम्परा को आयुर्वेद के माध्यम से स्थापित किया। वर्तमान परिदृश्य में समाज में हर क्षेत्र-हर विधा में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं और हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान के प्रमाण मिल रहे हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान के रजत जयंती सभागार में, आयुष विभाग द्वारा स्थापित पं.उद्धव दास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान समारोह में कही।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि आयुर्वेद में नवाचार एवं तकनीक आधारित शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता है, इससे आने वाले समय में आयुर्वेद भी जनमानस में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समकक्ष मान्यता स्थापित कर सकेगा। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक हर क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित कर क्रियान्वयन हो रहा है। भारत, आयुर्वेद के माध्यम से पुन: विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर देश पुन: विश्वमंच पर सर्वश्रेष्ठ बने, इसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करना होगा। मंत्री श्री परमार ने उक्त पुरस्कार की राशि आगामी सत्र से एक लाख रुपए से बढ़ाकर एक लाख 51 हजार रुपए करने की बात कही, इससे लोग नवाचार के लिए अधिक से अधिक समर्पण भाव से कार्य के लिए स्वप्रेरित होंगे। श्री परमार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। भोपाल (दक्षिण-पश्चिम) विधानसभा के विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता के आधार पर, युवा चिकित्सकों को कड़े परिश्रम के आधार पर पुरस्कार प्राप्त करने की अपेक्षा व्यक्त की। भोपाल नगर निगम की महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल में नवविकसित हर्बल गार्डन को पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान को हस्तांतरित करने से अवगत कराया, इससे विद्यार्थियों के अध्ययन - अध्यापन में और अधिक सहयोग मिलेगा। समारोह में वर्ष 2022 के लिए डॉ उमाशंकर निगम एवं वर्ष 2023 के लिए संयुक्त रूप से डॉ संजय लाले और शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय जबलपुर को पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने अपने कार्यों के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया। ज्ञातव्य है कि उक्त पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र के साथ एक लाख रुपए की राशि दी जाती है एवं दो समान अंकधारी होने की अवस्था में प्रत्येक को 50 हजार रुपए की राशि दी जाती है। इस अवसर पर आयुक्त आयुष श्री संजय मिश्र, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. गोपाल दास मेहता एवं संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पुस्तक केवल पठन नहीं, सोच की नींव होती है -मंत्री श्री टेटवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने राजगढ़ जिले के सारंगपुर जनपद मुख्यालय में विकासखंड स्तरीय पुस्तक मेले का शुभारंभ किया। पुस्तक को बच्चों के हाथों तक पहुंचाने की इस पहल को उन्होंने शिक्षा की दिशा में एक व्यावहारिक, प्रभावी और दूरगामी प्रयास बताया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा की यात्रा तब सार्थक होती है, जब हर विद्यार्थी को समय पर समुचित संसाधन और सही मार्गदर्शन मिले। पुस्तक केवल पढ़ने की वस्तु नहीं होती, यह सोचने की आदत, जीवन की दृष्टि और आत्मविश्वास का आधार बनाती है। हम बच्चों को शुरुआती दौर में यह सुविधा दे पाएं, तो उनका भविष्य सशक्त होगा और समाज भी अधिक सजग बनेगा। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि शिक्षा को सुलभ और गरिमामयी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, और इस प्रकार के आयोजन इसी दिशा में सार्थक कदम हैं।जनपद शिक्षा केंद्र एवं समग्र शिक्षा अभियान सारंगपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पुस्तक मेले का मुख्य उद्देश्य अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों, गणवेश, स्टेशनरी एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री को किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है।

ऊर्जा मंत्री ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे पर हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रबंध संचालक से लेकर कार्यपालन स्तर तक के सभी अधिकारी रात्रि के समय क्षेत्रों का भ्रमण कर बिजली की वास्तविक स्थिति का आंकलन करें। साथ ही निरीक्षण रिपोर्ट मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। श्री तोमर ने बुधवार को विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं कॉल-सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिये टीम की संख्या बढ़ायें। उन्होंने कहा कि विद्युत अवरोध एवं उसके निराकरण से संबंधित जानकारी जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें। मैदानी स्तर के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के फोन अटेंड करना सुनिश्चित हो। विद्युत कनेक्शन में भार वृद्धि के संबंध में जागरूक किया जाये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्षाकाल में बिजली की शिकायतों के मद्देनजर मेरे कार्यालय में भी आगामी 3 माह के लिये एक अस्थाई कॉल-सेंटर स्थापित किया गया है। कॉल-सेंटर का नम्बर 0755-4344299 है। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि इस नम्बर पर सम्पर्क करने के पूर्व बिजली कम्पनी के मुख्य कॉल-सेंटर 1912 पर शिकायत जरूर दर्ज करायें और उसका क्रमांक साझा करें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रबंध संचालक एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अवनीश लवानिया, सभी विद्युत कम्पनियों के एमडी, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता और मुख्य महाप्रबंधक शामिल हुए।

स्वतंत्रता आंदोलन में गौरवमयी संघर्ष की याद दिलाती है कोल जनजाति-मंत्री डॉ. शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया है कि मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के लोगों के उत्थान के लिये वचनबद्ध है। प्रदेश की प्रमुख पिछड़ी जनजाति में कोल जनजाति तीसरी प्रमुख पिछड़ी जनजाति है।

उन्होंने कहा कि कोल जनजाति स्वतत्रंता आंदोलन में गौरवमयी संघर्ष की याद दिलाती है। संघर्षमयी इतिहास, उनकी शैली और संस्कृति स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान के लिये जानी जाती है। मध्यप्रदेश में 10 लाख से भी ज्यादा कोल जनजाति के लोग निवासरत है। रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, नरसिंहपुर, जबलपुर और डिण्डौरी में मुख्यत: निवासरत है। बढ़ी आबादी कोल जनजाति केवल मध्यप्रदेश ही नहीं देश के उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, असम, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य में भी निवास करती है। यह खरवार समूह की एक प्राचीन जनजाति है। ये स्वयं को शबरी माता का वंशज मानते है। कोल शब्द कुल से निकला है, जो समस्त का रूप है।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि कोल जनजाति का मुख्य जीविकोपार्जन वनोपज संग्रहण, कृषि और मजदूरी पर आधारित है। प्रकृति की पूजा करने वाली यह जनजाति जंगल, नदियों और पहाड़ों से गहरा नाता रखती है। कोल समाज के पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और वाद्ययंत्र आज भी ग्रामीण संस्कृति की धड़कन है। सरकार और समाज मिलकर कोल जनजाति के उत्थान और सम्मान के लिये कार्य कर रहे है। सरकार द्वारा जनजातियों के विकास के लिये संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने से और औद्योगिकरण के विकास से कोल जनजाति भी विकास की और अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जनजाति वर्ग के चहुँमुखी उत्थान के लिये राज्य और केन्द्र सरकार के द्वारा छात्र-छात्राओं के विकास के लिये किये जा रहे समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि कोल जनजाति के छात्र-छात्राएँ आज उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट एमपीसीजेड मोबाइल ऐप हुआ लांच

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा अपने सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। यह ऐप कंपनी के पोर्टल पर उपलब्ध क?यूआर कोड और गूगल प्ले स्टोर से दिए गए लिंक को ओपन करके भी डाउनलोड किया जा सकता है। मंत्री श्री तोमर ने ऐप की विशेषताएं बताते हुए कहा है कि इससे बिजली खपत प्रोफाइल और अकाउंट की जानकारी देखने की सुविधा रहेगी। साथ ही उपभोग पैटर्न की जानकारी भी मिलती रहेगी। कंज्यूमर आईडी को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से जोड़कर ऐप का उपयोग किया जा सकेगा। ऐप से एक ओर जहां बिजली कटौती की सूचनाएँ प्राप्त होती रहेंगी, वहीं उपभोक्ता को अपने मीटर की स्थिति की जाँच करने में भी आसानी होगी। उपभोक्ता द्वारा कितनी बिजली उपयोग की गई है, इसकी रिपोर्ट देखने के साथ ही स्मार्ट मीटर ऐप के जरिए उपभोक्ता सेवा केन्द्र 1912 से संपर्क करने की सुविधा भी मिलेगी। एप को डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा इसके बाद सर्च बार में टाइप करना होगा। फिर एप को डाउनलोड और इंस्टॉल करना होगा।

सर्वेक्षण गुणात्मक एवं प्रमाणिकता के साथ करें : उप मुयमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जातियों के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इन जातियों के कल्याण की गतिविधियों को पावन कार्य बताते हुए कहा कि यह गर्व करने योग्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विमुक्त, घुमन्तु और अर्धघुमन्तु समुदाय के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिये इन समुदायों का सर्वेक्षण के माध्यम से डाटा इक्कठा किया जायेगा। इस डाटा के आधार पर कार्यक्रम बनाये जायेगें और राज्य एवं केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से इन समुदायों को लाभांवित किया जायेगा। राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान में उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा विमुक्त, घुमन्तु और अर्धघुमन्तु समुदाय के सर्वेक्षण-2025 पर बुधवार को हुई राज्य स्तरीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि जन अभियान परिषद और विमुक्त, घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग के बीच सर्वेक्षण के लिये एमओयू हुआ है।

सर्वेक्षण प्रमाणिकता के साथ होगा। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में लगे कार्य समन्वयक पूरी ईमानदारी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि घुमन्तु समाज के उत्थान का यह पुण्य एवं पवित्र कार्य है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने विमुक्त, घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण विभाग के कार्य की सराहना भी की।

प्रदेश में पेयजल स्रोतों की सफाई के साथ जनजागरूकता अभियान भी जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से जारी है। अभियान के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर सुखद भविष्य के बारे में बताया जा रहा है। अभियान के दौरान जिले भर में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित कर उनकी मरम्मत और सफाई कार्य हाथ में लिया गया है। प्रदेश में लगातार जल यात्राएं निकाली जा रही हैं।

वर्षा के मौसम को देखते हुए व्यापक पौधरोपण की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। सिंगरौली जिले में नौगढ़ में जन अभियान परिषद द्वारा हनुमान मंदिर के पास बावड़ी में साफ-सफाई वृक्षारोपण व दीप प्रज्ज्वलित कर बावड़ी उत्सव मनाया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नवांकुर संस्था को विधायक श्री राम निवास शाह और कलेक्टर श्री चन्द्रशेखर शुक्ला ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में पानी की बचत को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जल यात्रा का आयोजन किया गया। इसी के साथ जल स्रोतों की साफ-सफाई जनभागीदारी से की गई। जल चौपाल में जन सामान्य को नदी-तालाबों के किनारों पर निरंतर सफाई करते रहने की समझाइश दी गई। सामूहिक भागीदारी में महिला कार्यकर्ताओं के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी करने के लिये जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कटनी जिले में कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने 5 जनपद पंचायतो में 19 तालाबों के मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए एक करोड़ 83 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य आने वाले 15 दिनों में हर हाल में पूरे किये जायें। उन्होंने कहा कि जिले में मानसून की बारिश के दौरान व्यापक स्तर पर पौधरोपण की कार्ययोजना तैयार की जाये। पौधरोपण में स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

अमृत हरित कार्यशाला 13 जून को रवीन्द्र भवन में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे।

कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में दिव्यांग पार्क, होशंगाबाद एवं उज्जैन की सफलता की कहानियों को भी साझा किया जायेगा। इन कहानियों पर आधारित फिल्म का विशेष प्रस्तुतिकरण किया जायेगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समस्त नगरीय निकायों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जायेगा, जिससे राज्य के सभी निकाय इस अभियान से जुड़ सकें। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े ने सभी नगरीय निकायों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किये हैं।

बिजली खपत कम करेंगे तो बिल भी कम ही आएगा, रीडिंग में भी कोई गड़बड़ी नहीं हो रही

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की पहल पर भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में घरेलू स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। भोपाल शहर वृत्त में लगभग तीन माह पहले लगाए जा चुके स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं से जब बातचीत की तो अनेक सकारात्मक पहलू सामने आए। अधिकतर स्मार्टमीटर उपभोक्ताओं ने फायदा होने की बात कही है। मकान नंबर 23, देवीनगर कॉलोनी करोंद भोपाल के उपभोक्ता श्री महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि उनके यहां तीन महीने पहले स्मार्ट मीटर लगा था। शुरू में उन्हें डर था की कहीं स्मार्ट मीटर से बिल तो अधिक नहीं आएगा, लेकिन जैसे ही अगले महीने बिल आया तो देखा कि कोई ऐसी गड़बड़ी नहीं आई। बल्कि अब तो ऐप के माध्मय से अपने घर के बिजली उपयोग को भी नियंत्रित करना सीख गए हैं, क्योंकि जो उपकरण हम अधिक समय चलाते थे, उन पर नियंत्रण करने से बिल में अब कमी आई है।इसी तरह करोंद के ही देवकी नगर की उपभोक्ता श्रीमती देव कुमारी ने बताया कि स्मार्ट मीटर से रीडिंग लेने में कोई गड़बड़ी नहीं है।

खाद के अवैध भण्डारण और परिवहन पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खाद के अवैध भण्डारण और परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि गत दिवस थाना प्रभारी चोरहटा द्वारा वाहनों की जाँच के दौरान चोरहटा के पास ट्रक में अवैध रूप से परिवहन की जा रही खाद की बोरियाँ पकड़ी गईं। ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर अवैध खाद से भरा ट्रक जप्त कर चोरहटा थाने में खड़ा कराया गया है। आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। ट्रक ड्राइवर से मिली सूचना के आधार पर इटौरा बाईपास में कृषि और पुलिस विभाग की टीम ने छापा मारा। छापे के दौरान विकास गुप्ता ट्रेडर्स दुकान से अवैध रूप से भण्डारित 600 बोरी डीएपी खाद तथा 400 बैग जिप्सम जप्त किया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने सेमरिया में मनु ट्रेडर्स दुकान की भी जाँच की। दुकान में भी खाद का अवैध भण्डारण पाया गया। दुकान संचालक के चोरहटा स्थित गोदाम की भी जाँच की गई। इसमें भी अवैध रूप से भण्डारित खाद को जप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई सीएसपी रीवा, थाना प्रभारी चोरहटा, कृषि विभाग के निरीक्षक बीपी सिंह तथा सुरक्षा बल द्वारा की गई।

कमिश्नर कार्यालय में कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा

सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों की बाधाएं समन्वय से दूर कर बहुती और त्योंथर फ्लो सिंचाई परियोजना का कार्य 31 अक्टूबर तक पूरा करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि जल संसाधन विभाग के इंजीनियर तथा निर्माण एजेंसी मिलकर सिंचाई परियोजनाओं का कार्य समय पर पूरा कराएं। सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्य की सभी बाधाएं समन्वय से दूर करें। भू अर्जन तथा अन्य अन्तर्विभागीय मुद्दों को हर सप्ताह आयोजित साप्ताहिक टीएल बैठक में कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत करें। बहुती सिंचाई परियोजना तथा त्योंथर फ्लो परियोजना एवं त्योंथर माइक्रो सिंचाई परियोजना का कार्य 31 अक्टूबर तक हरहाल में पूरा करें जिससे किसानों को गेंहू एवं अन्य फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके।

कमिश्नर ने कहा कि नहरों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। बारिश से पहले शेष कार्य पूरा करने का प्रयास करें। बहुती नहर में डम्प 4500 घनमीटर मिट्टी को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के सहयोग से नहर से हटाएं। यदि किसी स्थान पर भू अर्जन के कारण किसान निर्माण कार्य में बाधा डाल रहे हैं तो उन्हें समझाइश देकर मुआवजा राशि का भुगतान कराएं। निर्माण कार्यों से आमजनता और किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होना चाहिए। बहुती नहर में चार स्थानों पर सीपेज की समस्या है। इसे दूर करने के लिए सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। नईगढ़ी सिंचाई परियोजना में लगभग 20 किलोमीटर में नहर का निर्माण कार्य शेष है। इस परियोजना में 10 वर्ष से अधिक की देरी हो चुकी है। शेष कार्य 31 दिसम्बर 2025 तक पूरा कराएं। सतना जिले की रामनगर सिंचाई परियोजना में एक ट्रांसफार्मर लगाया दिया गया है। दूसरा ट्रांसफार्मर लगाकर शेष क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा दें।

कमिश्नर ने कहा कि सीतापुर-हनुमना लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मुख्य बांध के निर्माण के लिए वन विभाग तथा पर्यावरण की मंजूरी के लिए पूरा प्रयास करें। इसके लिए कंसल्टेंट एजेंसी की सेवाओं का भी उपयोग करें। बैठक में कमिश्नर ने दौरी सागर परियोजना, गोंड़ सिंचाई परियोजना, बहरी नहर प्रणाली, सेमरिया परियोजना तथा सिरमौर माइक्रो सिंचाई परियोजना की समीक्षा की। बैठक में चीफ इंजीनियर जल संसाधन एके डेहरिया ने बताया कि बहुती परियोजना का कार्य 31 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। इसका लगभग 91 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। शेष में तेजी से कार्य जारी है। त्योंथर फ्लो परियोजना 15 नवम्बर त्योंथर माइक्रो परियोजना 31 अक्टूबर, लोनी माइक्रो सिंचाई परियोजना 31 दिसम्बर 2026 तथा नईगढ़ी एक एवं नईगढ़ी दो माइक्रो सिंचाई परियोजना दिसम्बर 2025 तक पूरी हो जाएगी। सीतापुर-हनुमना परियोजना में बनाए जाने वाले बांध में 268 एमसीएम पानी का स्टोरेज होगा। इस परियोजना में 89 एमसीएम पानी बाणसागर बांध से लेकर सिंचाई की जाएगी। मुख्य बांध के निर्माण से पहले ही नहर से 89 एमसीएम पानी लेकर सिंचाई की सुविधा देने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में कार्यपालन यंत्री मनोज तिवारी, कार्यपालन यंत्री बीपी मिश्रा, कार्यपालन यंत्री एसएल तिवारी सिंगरौली, कार्यपालन यंत्री अमरदीप त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री एके वर्मा सतना, कार्यपालन यंत्री पीके त्रिपाठी सीधी, कार्यपालन यंत्री बीके ओझा तथा अन्य संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

"स्वच्छ सतना लक्ष्य अपना" के लगे नारे

गोमती नगर पतेरी सतना में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर को स्वच्छ,सुंदर, कचरा मुक्त,स्वस्थ शहर बनाने एवं 4 आर- रिड्यूस ,रीयूज, रीसाइकिल , रिफ्यूज की अवधारणा के साथ, होमकंपोस्टिंग , पर्यावरण संरक्षण" ,"मतदाता जागरूकता", "स्वच्छता जागरूकता" , "नशा मुक्ति" ,"अपराध मुक्त समाज", "भ्रष्टाचार मुक्त समाज", की परिकल्पना के साथ स्वच्छता द्वारा बेहतर शहरी स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के दृष्टिगत गोमती नगर पतेरी सतना में जागरूकता कार्यक्रम इं.धर्मेंद्र सिंह परिहार नगर पालिक निगम सतना के नेतृत्व में आयोजित हुआ जिसमें आशा देवी वर्मा, रेखा वर्मा, कुंती वर्मा, प्रिया वर्मा, ललित वर्मा, कुंती वर्मा , शिवानी वर्मा ,लव कुश,अंशिका, परी ,राखी चौधरी, करिश्मा साकेत,विक्की वर्मा आदि जागरूक लोगों ने भाग लिया

सभी से सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने में अपनी अपनी सहभागिता निभाने का अनुरोध किया गया तथा कचड़ा चार भागों में गीला,सूखा,सेनेटरी तथा घरेलू हानिकारक अलग-अलग -निर्धारित हरी डस्टबिन व नीली डस्टबिन में गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक कचड़ा कलेक्शन (मांगने वाली) गाड़ी को देने का अनुरोध किया गया ! फूल, फल और सब्जी के छिलकों से होम कंपोस्टिंग करने का सभी से अनुरोध किया गया तथा सभी को मटका विधि से होम कंपोस्टिंग करने की विधि बताई गई!

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी से आगामी भविष्य के सभी चुनावों के स्वतंत्र , निष्पक्ष, समावेशी , प्रलोभन रहित सुगम, सहभागी,सुरक्षित होने का प्रयास सर्वजन द्वारा हो ; साथ ही सभी उपस्थित मतदाताओं से निर्भीक होकर धर्म,वर्ग,जाति,समुदाय,भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार के प्रयोग का अनुरोध किया गया!

सभी से 4 आर अपनाने यानी कचरे की मात्रा को रिड्यूस,रीयूज, रीसाइकिल तथा सिंगल यूज़ पॉलीथिन को रिफ्यूज अर्थात इस्तेमाल न करने का अनुरोध किया गया! कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह परिहार ने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई।

आयुष विभाग द्वारा चिन्मय सेवा आश्रम लक्ष्मणपुर में हुई कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व योग दिवस 21 जून को आयोजित किया जाएगा। इसके प्रचार-प्रसार और योग संगम में सहभागिता बढ़ाने के लिए आयुष विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लक्ष्मणपुर में आयुष विंग से चिन्मय सेवा आश्रम तक रैली निकाली गई। रैली में करें योग रहें निरोग, हर दिन योग सुखद जीवन का संयोग और एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग के नारे लगाते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, जेएनसीटी और टीडी नर्सिंग महाविद्यालय के विद्यार्थी और स्वंयसेवी संगठन शामिल हुए। रैली के बाद पितामह सदन चिन्मय सेवा आश्रम लक्ष्मणपुर में स्वस्थ्य यकृत और वृद्धजन स्वास्थ्य में योग की भूमिका विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ केके गौतम ने कहा कि वर्तमान समय में बदलते खान-पान और जीवनशैली के कारण समय से पहले कम उम्र में हृदयाघात, मधुमेह, कैंसर और लीवर की बीमारियां बढ़ रही हैं। इन सब बीमारियों से बचने का उपाय यौगिक जीवनशैली और खान-पान है। नियमित योगाभ्यास न सिर्फ हमारे शरीर को स्वस्थ और सुदृढ़ बनाता है बल्कि हमारी इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कार्यशाला में चिन्मय सेवा आश्रम के प्रमुख ब्राम्हचारी वल्लभ चैतन्य जी ने योग को आध्यात्मिक महत्व और निरन्तर साधना का मार्ग बताया। कार्यशाला में प्रांतीय कलाकार संघ संचालक राजेश शुक्ला ने योग के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत सहित 121 देशों में योग गतिविधियां आयोजित हो रही हैं। इन गतिविधियों में बड़ी संख्या में आमजन सम्मिलित हो रहे हैं। योग सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बना है। कार्यशाला में आभार प्रदर्शन उप सरपंच संदीप पाण्डेय एवं संचालन डॉ व्योमकेश शुक्ल ने किया। कार्यक्रम के अंत में हरित योग अंतर्गत पर्यावरण रक्षा की शपथ दिलाई गई और चिन्मय आश्रम परिसर में मौलश्री का पौधा रोपित किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने विमान दुर्घटना पर व्यक्त किया शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और व्यथित कर देने वाला है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दुर्घटना में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है एवं शोक-संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रभावित परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

डकैती को लेकर आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने एस पी को ज्ञापन सौंपा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।पटना कचूर करारी(बेलहई टोला)थाना बैकुंठपुर में धीरेन्द्र मिश्रा/धर्मेंद्र मिश्रा के घर हुई डकैती को लेकर आज़ आधा सैकड़ा ग्रामीण जनों ने रीवा एस पी को ज्ञापन सौपा,जिसमें एस पी रीवा ने तत्काल ह्यस्नश्च्र को फ़ोन करके एक्शन लेने को कहा, ग्रामीण जन में काफ़ी दहसत का माहौल है, बड़ी बात ये है की महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले को लेकर लिखी है चिट्ठी,और प्रदीप सिंह पटना हाउस ने भी ग्रामीण जनों के हित में लगातार उठा रहे है आवाज़, विधायक मनगवा को भी दिया गया ज्ञापन,आज़ मिलने में धीरेन्द्र मिश्रा, संजू सिंह पटना,विजय मिश्रा,उमेश पटेल, रिंकू खैरा,अमित पाण्डेय महती आदि शामिल रहे।

आम आदमी पार्टी द्वारा रीवा जिले के बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ किया गया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के सिरमौर चौराहे मे आम आदमी पार्टी रीवा इकाई द्वारा रीवा जिले के बीमार स्वास्थ्य ब्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. जिले के पदाधिकारी संजय गाँधी हॉस्पिटल मे हाल ही मे हुए सामूहिक बलात्कार और उसपे पुलिस की कार्यवाही से नाराज थे. पार्टी के पदाधिकारी ने स्वास्थ्य ब्यवस्था पे कई सवाल भी उठाये जिसमे आम जन मानस के साथ ठीक ब्यवहार ना होना, गुणवत्ता विहीन दवाई, संजय गाँधी अस्पताल के सरकारी चिकित्सक के खुद के अस्पताल संचालित करना, मेडिकल माफिया से जनता की लूट, जिले भर के मे ब्याप्त अब्यावस्था के लिए स्वास्थ्य मंत्री, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला की निष्क्रियता को बताया जिससे पूरी स्वास्थ्य ब्यवस्था बीमार हुई है। इस विरोध प्रदर्शन मे स्वास्थ्य मंत्री का का पुतला दहन किया गया वा प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम 10 सूत्री मांग का ज्ञापन दिया गया। इस कार्यक्रम मे प्रदेश सयुंक्त सचिव प्रमोद शर्मा, जिला उपाध्यक्ष शुभराँशु द्वीवेदी, जिला उपाध्यक्ष रवि मिश्रा, नूर खान, रवि पाण्डेय, बृजलाल कुशवाह, राणा सिंह तिवारी, दीपक उपाध्या, अनिल शर्मा, महेन्द्र वर्मा, दिनेश त्रिपाठी, राजेश्वर तिवारी, बृज गोपाल मिश्रा, विकास दुबे, सी म गुप्ता, राजेश कुमार तिवारी वा अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

मलेरिया से बचाव के लिए लोगों को किया जा रहा जागरूक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में एक जून से 30 जून तक मलेरिया निरोधक माह मनाया जा रहा है। इस अवधि में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मलेरिया से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने बताया कि मलेरिया जागरूकता के लिए नगर निगम रीवा के वार्ड क्रमांक 29 में संजीवनी क्लीनिक, जगन्नाथ वार्ड क्रमांक 42 में आंगनवाड़ी केन्द्र, चिरहुला वार्ड क्रमांक 42 में आंगनवाड़ी केन्द्र, वार्ड क्रमांक 26 में संजीवनी क्लीनिक तथा छत्रपति नगर नई बस्ती एवं कुठुलिया के वार्ड क्रमांक 45 में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। एम्बेड परियोजना के तहत आयोजित इन कार्यक्रमों में मलेरिया से बचाव, मच्छरों से बचाव तथा मलेरिया के उपचार के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए जिला मलेरिया कार्यालय एवं नगर निगम के कर्मचारियों की संयुक्त टीम घरों और कार्यालयों का लगातार निरीक्षण करके अनुपयोगी बर्तनों तथा घरों के आसपास मच्छर के लार्वा को नष्ट करने का कार्य कर रही है।

कुठलिया वार्ड क्रमांक 45 में नई बस्ती में आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक तीन में मलेरिया निरोधक माह जून की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला मलेरिया कार्यालय की शिखा द्विवेदी व एंबेड की रीजनल कोऑर्डिनेटर कंचन सिंह और पीयूष मौर्य यूथ वालंटियर द्वारा आंगनवाड़ी में उपस्थित जन समुदाय को मलेरिया के बारे में जागरूक किया गया। जनसमुदाय को सभी वाहक जनित रोगों के बारे में जागरूक किया गया और पंपलेट वितरित किए गए। इसी क्रम में छत्रापति नगर वार्ड क्रमांक 26 संजीवनी क्लिनिक में भी कार्यशाला का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया तथा पंपलेट्स वितरित किये गये। साथ ही बुखार के मरीजों की मलेरिया की जांच के लिए रक्त के नमूने लिये गये।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विधिक सेवा प्राधिकरण में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता फैलाना और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव समीर मिश्र रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि "बाल श्रम न केवल बच्चों के भविष्य के लिए बाधक है, बल्कि यह एक कानूनी अपराध भी है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा मजदूरी के लिए मजबूर न हो, बल्कि शिक्षा और सुरक्षित बचपन का अधिकार पाए।"इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक आशीष द्विवेदी ने विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी।बाल कल्याण समिति (ष्टङ्खष्ट) की चेयरमैन मिनाक्षी मिश्रा ने बताया कि समिति लगातार ऐसे मामलों की निगरानी कर रही है और ज़रूरत पड़ने पर बच्चों को बाल संरक्षण गृह में रखा जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित और अनुकूल वातावरण मिल सके।जिला श्रम अधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बालश्रम निषेध अधिनियम की प्रमुख धाराओं पर प्रकाश डाला और बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाती है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे ऐसे मामलों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।बाल संरक्षण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव ने कहा किबच्चों को शोषण से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि कई बच्चों को रेस्क्यू कर शिक्षा और पुनर्वास की दिशा में प्रयास किए गए हैं।कार्यक्रम में अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के समन्वयक सुमित सिंह ने गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज के जागरूक नागरिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं को मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।कार्यक्रम में बाल कल्याण समित की सदस्य विभा द्विवेदी,आरती शर्मा, मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अनीश पांडे ने किया।इस मौके पर कानून के छात्र भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उन्होंने बाल अधिकारों और कानूनों पर अपने विचार प्रस्तुत किए और इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने की शपथ ली। कार्यक्रम में अंत में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में दी गई उन्नत खेती की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतिम दिन रीवा और मऊगंज जिलों में शिविर लगाए गए। इन शिविरों में कृषि वैज्ञानिक तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मछलीपालन विभाग के अधिकारियों ने किसानों को खेती में और उससे जुड़े अन्य व्यवसायों को बेहतर करने की जानकारी दी। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि रीवा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पुरैनी में आयोजित शिविर में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे कृषि वैज्ञानिकों डॉ किंजल्क सिंह तथा डॉ स्मिता सिंह ने किसानों को बीजों के उपचार, नरवाई प्रबंधन, खाद के संतुलित उपयोग तथा फसलों में कीट प्रबंधन की जानकारी दी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अंजली सिंह ने पशुओं के टीकाकरण तथा विभिन्न रोगों से उपचार की जानकारी दी।

उन्होंने विभाग की डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना एवं आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना का लाभ लेकर पशुपालन की सलाह दी। शिविर में साक्षी द्विवेदी, कृषि विस्तार अधिकारी शुभम शुक्ला, दिव्या कुशवाहा, स्थानीय जनप्रतिनधिगण तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

विचार

गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ रही है भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इस समय भाजपा की ओर से मोदी सरकार की उपलब्धियों का जोरशोर से प्रचार देशभर में किया जा रहा है। इस क्रम में प्रेस कांफ्रेंसों के अलावा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भाजपा के नेता पहुँच कर मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों की चर्चा कर रहे हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम भाजपा की ओर से दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया जिसमें डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधियों को देशभर से बुलाया गया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनके साथ खुलकर संवाद किया। यह वाकई ऐसा कार्यक्रम था जिसमें पार्टी के शीर्ष नेता बेझिझक सारे सवालों के जवाब दे रहे थे। देखा जाये तो आज के इस युग में डिजिटल और सोशल मीडिय ही सबसे बड़ी ताकत बन चुका है इसलिए इस मंच के महारथियों के साथ भाजपा के शीर्ष नेताओं का सीधा जुड़ाव एक अभिनव पहल भी थी।

कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय और पार्टी के सारे राष्ट्रीय प्रवक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान एक पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिये अश्विनी वैष्णव ने उन बड़ी पहलों का जिक्र किया जिससे देश में व्यापक रूप से बदलाव आया और विकसित भारत का आधार तैयार हुआ। अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष की ओर से अक्सर उठने वाले सवालों के जवाब भी अपनी प्रेजेंटेशन के जरिये दिये जिससे कई चीजें स्पष्ट हुईं और भ्रम का वातावरण छँटा।

भाजपा के शीर्ष नेताओं ने डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों से सीधे संवाद में स्वीकार किया कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी अति-आत्मविश्वास का शिकार हो गयी थी। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह बात मानी कि हमने इस बात पर ठीक से ध्यान नहीं दिया कि %अबकी बार 400 पार% के नारे का विपरीत असर हो रहा है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यह भी माना कि आरक्षण के विरोध में जो बात निचले स्तर तक कांग्रेस और उसके एनजीओस ने पहुँचा दी थी उसे भांपने में हमसे देरी हुई और जब तक हमने कदम उठाये तब तक काफी देर हो चुकी थी। पार्टी नेताओं ने यह भी माना कि कई जगह उम्मीदवारों के चयन में खामियां थीं। पार्टी नेताओं ने कहा कि दरअसल लगातार जीत मिलने पर इस तरह का अति-आत्मविश्वास ऊपर से लेकर नीचे तक आ जाता है जिसका दुष्परिणाम देखने को मिला। पार्टी के नेताओं ने माना कि अक्सर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गलतबयानी से पार्टी के लिए शर्मिंदगी हो जाती है, खासकर चुनावों के समय दिये गये विवादित बयानों से ज्यादा असहज स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पार्टी नेताओं ने कहा कि अब वह उम्मीदवार चयन के लिए पैमानों को और कड़ा बना रहे हैं। पार्टी नेताओं ने यह भी कहा कि मोदी सरकार की उपलब्धियां बेशुमार हैं और विपक्ष अब तक हमारी एक भी उपलब्धि को नकार नहीं पाया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि विपक्ष सिर्फ विदेशी मामले जाकर देशी राजनीति में हंगामा करना चाहता है लेकिन जनता इसको स्वीकार नहीं करती। पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा और आरएसएस के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है और लोकसभा चुनावों के दौरान दिये गये एक विवादित बयान का मुद्दा सुलझ चुका है। भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पूछे गये सवाल पर भी शीर्ष नेताओं ने कहा कि संघ और पार्टी के बीच कोई मतभेद नहीं है।

स्त्री-पुरुष संबंधों में बिगड़ता संतुलन

समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संया में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। हालाँकि सोनम का जुर्म अभी साबित नहीं हुआ है, और असलियत सामने आने में वक्त लग सकता है। मगर इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता। हाल-फिलहाल में पत्नी द्वारा पतियों की हत्या या तलाक के नाम पर उत्पीडन के कई मामले समूचे देश की सुर्ख़ियों में शामिल रहे हैं। इन मामलों में कानून, प्रशासन और सरकारें अपनी भूमिका निभाती रहेंगी, मगर इस देश के प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते हमारी मानवीय और नैतिक

मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद ग़ाज़ीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साज़िश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है।

चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात साफ़ है कि बात केवल अपराध कि वीभत्सता तक सीमित नहीं है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अतुल सुभाष की आत्महत्या जिसके पीछे तलाक की प्रक्रिया और पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना कारण बताया गया, सोचने को मजबूर करती है कि आज की पीढ़ी की, विशेषकर स्त्रियों की मनोदशा या मानसिकता ऐसी क्यों होती जा रही है।

वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुज़र रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

जो कानून महिलाओं की सुरक्षा और अस्मिता की रक्षा के लिए बनाया गया था, उसी कानून का फ़ायदा उठा कर महिलाएँ अब पैसे ऐंठना, संपत्ति लूटना और पति व ससुराल वालों को मानसिक उत्पीड़न देने से नहीं कतराती हैं। ऐसा नहीं है कि महिलाओं को इस कानून की आवश्यकता नहीं थी, किन्तु दहेज कानून (498) और घरेलू हिंसा अधिनियम के दुरूपयोग के कई मामले अब जनता की नज़रों में आ चुके हैं। अवसाद, ईगो क्लैश, अपेक्षाओं का टकराव और आर्थिक अस्थिरता भी संबंधों में विष घोलते हैं। ऐसे में एक कदम आगे बढ़कर हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देना एक नई समस्या की ओर इशारा कर रहा है ङ्क मेंटल हेल्थ।

मानव जीवन अमूल्य है। विवाह यदि प्रेम, सहयोग और साझेदारी का आधार न बन सके तो उसे सुलझाने के कानूनी और सामाजिक उपाय होने चाहिए, न कि हिंसा या छल से इसका अंत। किसी भी पक्ष द्वारा मानसिक या शारीरिक शोषण केवल कानून का नहीं, नैतिकता का भी उल्लंघन है। हर मानव को सुनने और समझे जाने की आवश्यकता होती है। एक स्वस्थ दांपत्य के लिए केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य और संवेदना की ज़रूरत है। इस कार्य के लिए कानून, समाज और प्रशासन की साझेदारी की भूमिका होनी चाहिए।

समस्या गम्भीर है, किन्तु उपायों पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। जैसे पूर्व-विवाह परामर्श को प्रोत्साहन दिया जाए। मीडिया और फिल्मों में संतुलित और संवेदनशील चित्रण हो ताकि विवाह और संबंधों की समझ सही रूप में विकसित हो। स्कूल स्तर पर नैतिक शिक्षा, सह-अस्तित्व और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। सामाजिक संस्थाओं को चाहिए कि वे विवाह के समय केवल उत्सव न करें, बल्कि जिम्मेदारियों की समझ भी विकसित करें। डिजिटल रिकॉर्डिंग और साक्ष्य को कानूनी रूप से अधिक मान्यता दी जाए जिससे झूठे आरोपों का पर्दाफाश हो सके। विशेषकर, राजा रघुवंशी केस में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस केस ने जिस प्रकार जनमानस और न्याय प्रणाली का ध्यान आकर्षित किया, उसमें मीडिया एक प्रमुख कड़ी के रूप में सामने आया। प्रारंभ में जब केस की जानकारी सीमित थी और पुलिस प्रशासन पर निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह था, तब मीडिया ने लगातार रिपोर्टिंग कर इस मामले को सामने लाने का कार्य किया। इससे जनता में जागरूकता फैली और उच्चस्तरीय जांच की माँग उठी। मीडिया कवरेज ने जनभावनाओं को स्वर दिया और प्रशासन व न्यायिक संस्थाओं पर कार्रवाई के लिए नैतिक दबाव बनाया। यही दबाव था जिससे केस की जांच विशेष एजेंसियों तक पहुँच सकी। हालाँकि, कुछ मीडिया चैनलों द्वारा बिना ठोस प्रमाणों के आरोपियों को दोषी या निर्दोष ठहराने की प्रवृत्ति देखी गई, जिससे %ट्रायल बाय मीडिया% जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है और यह निष्पक्ष न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध जाता है।

नए भारत की मजबूत, सुरक्षित और विकसित छवि बनाई मोदी युग ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की जब बागडोर संभाली तो भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा था। एक ऐसा देश जहां उम्मीदें तो थीं, लेकिन उनकी पूर्ति की दिशा स्पष्ट नहीं थी। लेकिन पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस दिशा और गति से विकास की अपनी यात्रा तय की है, वह आज दुनिया के सामने %न्यू इंडिया% के रूप में खड़ा है। आज भारत एक आत्मविश्वास से भरा हुआ राष्ट्र है, जो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और विश्व मंच पर अपनी स्पष्ट आवाज बुलंद कर रहा है। यह परिवर्तन गरीबों के जीवन स्तर में सुधार के साथ शुरू हुआ। आजादी के कई दशकों बाद भी भारतीय लोग आवास, शौचालय, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। इस दिशा में पहल करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत अभियान के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर और शौचालय उपलब्ध कराए गए। उज्वला योजना के माध्यम से मुफ्त गैस कनैक्शन ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई है, जबकि आयुष्मान भारत जैसी स्वास्थ्य योजनाओं ने 5 लाख रुपए तक का बीमा कवर प्रदान करके गरीबों को वित्तीय नुकसान से बचाया है। हर घर जल अभियान के माध्यम से करोड़ों ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया।

ये योजनाएं सिर्फ कागज पर बनी नीतियां नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर हकीकत बन गई हैं और आम लोगों के जीवन में बदलाव ला दिया है। जन-धन योजना के माध्यम से आजादी के बाद पहली बार करोड़ों भारतीयों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया, जिससे देश में वित्तीय समावेशन को मजबूती मिली।भारत ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भी ऐतिहासिक प्रगति की है। सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटें अब उन गांवों को रोशन कर रही हैं जहां बिजली और पक्की सड़कें कभी सपना हुआ करती थीं। दूरदराज के गांवों को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ना सुनिश्चित किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन और शहरों में मैट्रो परियोजनाओं से जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत की यह विकास यात्रा डिजीटल रूप में भी क्रांतिकारी रही है। डिजीटल इंडिया अभियान ने देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है और यू.पी.आई. ने भारत को आज दुनिया में सबसे अधिक डिजीटल लेन-देन करने वाला देश बना दिया है। आधार, मोबाइल और जनधन की %त्रिमूर्ति % ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को आसान बना दिया है और भ्रष्टाचार तथा बिचौलियों की भूमिका को लगभग समाप्त कर दिया है।

एन.डी.ए. और भारतीय सेना में महिलाओं के लिए स्थायी कमीशन जैसी पहलों ने यह साबित कर दिया है कि महिला सशक्तिकरण सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं है, बल्कि नीति और इरादे दोनों का हिस्सा बन गया है। कृषि प्रधान देश होने के बावजूद देश का कृषि क्षेत्र लम्बे समय तक उपेक्षित रहा, सरकारों के तमाम कागजी दावों के विपरीत स्थिति यह रही कि किसान खेती छोड़कर नौकरियों के लिए पलायन करने को मजबूर हुए।

आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव, साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने

के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राषि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा।

क्रिश्चियन कनवर्सन पर बवाल,बैज ने भेजा मानहानि नोटिस

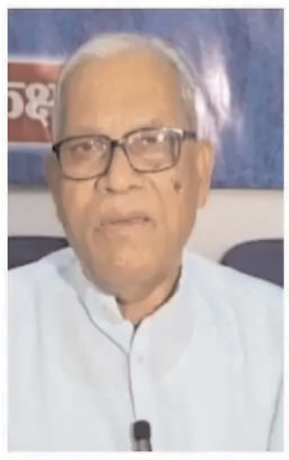

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और आदिवासी नेता अरविंद नेताम, मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप को मानहानि का नोटिस भेजा है। सभी से 15 दिनों के अंदर उनके वकील ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि, उनके राजनीतिक भविष्य की हत्या करने की कोशिश की गई है।

दरअसल, नागपुर के आरएसएस के कार्यक्रम से लौटने के बाद अरविंद नेताम ने कहा था कि, दीपक बैज से मैं यही बात जानना चाहता हूं, कहीं वो कन्वर्ट तो नहीं हुए हैं ? ईसाई धर्म में वे मतांतरण तो नहीं हुए हैं ? धर्मांतरण के बारे में कांग्रेस की क्या नीति है, उन्हें साफ करना चाहिए ?इस पर दीपक बैज के वकील ने नोटिस में जिक्र किया कि, उनके मुवक्किल दीपक बैज आदिवासी समाज से जुड़े हैं। वे अपने आराध्य भगवान बूढ़ादेव, महादेव, मां दंतेश्वरी देवी समेत सभी देवी देवताओं की पूजा करते हैं। उन पर गहरी आस्था रखते हैं।

मानहानि नोटिस में क्या लिखा है ?नोटिस में लिखा है कि, प्रेसवार्ता में अरविंद नेताम के दिए गए झूठे भ्रामक और मनगढ़ंत बयानों से दीपक बैज के सामाजिक प्रभाव और सम्मान पर गहरा असर पड़ा है। उनकी छवि धूमिल हुई और मानसिक रूप से आहत हुए हैं। पूरे प्रदेश में उनकी प्रतिष्ठा मान मर्यादा खराब हुई है।

जानबूझ कर झूठे आरोप लगाते हुए मेरे पक्षकार के राजनीतिक भविष्य की हत्या करने की कोशिश की गई है। जिस कारण मेरे पक्षकार के सामाजिक प्रतिष्ठा की हानि हुई है। इसके लिए एक मात्र आप जिम्मेदार हैं।

नोटिस में लिखा ह कि आपने राजनीतिक उ?द्देश्यों की पूर्ति के लिए मेरे पक्षकार के मान सम्मान और प्रतिष्ठा को आहत किया है। मेरे पक्षकार को सामाजिक रूप से रिश्ते-नातेदार उनसे जुड़े लोग, हर वर्ग और हर उम्र के लोगों में उनकी छवि धूमिल हुई है। जिससे वो असम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है।

यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 और 356 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए क्यों न आपके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 और 356 और मानहानि का मुकदमा कोर्ट में चलाया जाए। इसका जवाब आप मेरे पते पर खुद या अपने वकील के माध्यम से 15 दिन के भीतर पेश करें।

अरविंद नेताम नागपुर में आयोजित ₹स्स के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि, धर्मांतरण के विषय पर आरएसएस और आदिवासी समाज को साथ काम करना चाहिए। इस पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा था कि, अरविंद ₹स्स की भाषा क्यों बोल रहे? या तो उनको प्रलोभन दिया गया है या किसी प्रकार का भय है। वह यह सब आदिवासी समाज के सामने बोले तो जानें।

आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने कहा कि, मैं दीपक बैज से एक ही बात जानना चाहता हूं, कहीं वो कन्वर्ट तो नहीं हुए हैं।

आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने कहा कि, मैं दीपक बैज से एक ही बात जानना चाहता हूं, कहीं वो कन्वर्ट तो नहीं हुए हैं।

दरअसल, नागपुर में संघ कार्यालय से लौटने के बाद अरविंद नेताम ने 7 जून को रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने ₹स्स प्रमुख मोहन भागवत को कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। संघ की कार्यशैली की सराहना की। नेताम ने बताया कि, पहले संघ आदिवासियों को 'वनवासी' कहता था। जिसका उन्होंने विरोध किया। अब संघ 'आदिवासी' शब्द का उपयोग करने लगा है।

अरविंद नेताम ने कहा कि, धर्मांतरण के बारे में कांग्रेस की क्या नीति है, उन्हें साफ करना चाहिए। आरएसएस की नीति साफ है। धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस की क्या नीति है इसे बताएं। दीपक बैज अभी प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख हैं। वे कह रहे है कि मैं ₹स्स की बात कर रहा हूं, लेकिन मैं समाज की बात कर रहा हूं।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज

सतना. शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 12 जून से 26 जून 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 13 जून को जनपद पंचायत मझगवां, 16 जून को जनपद पंचायत उचेहरा, 17 जून को जनपद पंचायत नागौद, 18 जून को शासकीय आईटीआई सतना (युवा संगम), 19 जून को शासकीय आईटीआई मैहर (युवा संगम), 20 जून को जनपद पंचायत सोहावल, 23 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 24 जून को जनपद पंचायत मैहर, 25 जून को जनपद पंचायत रामनगर एवं 26 जून 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 हेतु रायपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण 19 जून को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के पत्रानुसार 09 जून 2025 के द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के आगामी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के दृष्टिगत रखते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक प्रोग्रामर एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण 19 जून 2025 को प्रातः 10.00 बजे से न्यू-सर्किट हाउस, सिविल लाईन्स रायपुर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया है। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने हेतु मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नामित किया गया है। जिनमें अनिल कुमार सिदार अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शशि शेखर मिश्रा अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भरतपुर एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भरतपुर-सोनहत, लिंगराज सिदार अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़, रामप्रसाद आचला आयुक्त नगर निगम चिरमिरी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़, सुश्री श्रुति धुर्वे तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़, श्रीमती सिद्धी गबेल तहसीलदार खड़गवां एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़, समीर शर्मा तहसीलदार चिरमिरी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मनेन्द्रगढ़, नीरजकांत तिवारी तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भरतपुर-सोनहत, श्रीमती सतरूपा साहू तहसीलदार केल्हारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भरतपुर-सोनहत, रामाकांत सिंह डाटा एंट्री ऑपरेटर भरतपुर-सोनहत तथा टी. विजय गोपाल राव व्याख्याता एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ को प्रशिक्षण में सम्मिलित होने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी 19 जून 2025 को प्रातः 9.45 बजे प्रशिक्षण स्थल में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

कोरबा में युवती ने सरेराह युवकों को सिखाया सबक, कहा- लड़की छेड़ोगे तो मारूंगी खींचकर, दोनों गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। कोरबा में टीपी नगर मार्ग पर एक युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। दो युवकों ने बाइक पर सवार एक युवती को पब चलने का ऑफर दिया। इस पर युवती ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपियों का पीछा किया। रेड सिग्नल पर बाइक रुकते ही युवती ने उनकी चाबी निकालकर फेंक दी और इस करतूत के लिए दोनों युवकों को फटकार लगाई।

इस पूरी घटना का वीडियो युवती ने खुद बनाया। इसके बाद युवकों के खिलाफ थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है।

दरअसल, यह घटना टीपी नगर मार्ग की है। जानकारी के अनुसार, यहां एक युवती अपने दोपहिया वाहन से जा रही थी। उसी दौरान बाइक सवार दो युवकों ने युवती पर फब्तियां कसी। युवकों ने युवती से कहा, "पब चलोगी क्या?" इस टिप्पणी से नाराज युवती ने उनका पीछा किया, और ट्रैफिक सिग्नल पर रुकते ही उनकी मोटरसाइकिल की चाबी निकालकर फेंक दी। फिर मौके पर मौजूद लोगों के सामने सरेराह दोनों युवकों को जमकर फटकार लगाई।

युवती ने युवकों से कहा, कैसे पूछा पब चलोगी, जानते हो मुझे। इस पर युवक ने जवाब दिया, नहीं जानता हूं। युवती ने तमाशा क्यों किए। बगल में आकर मुझसे क्यों पूछे पब चलोगी। लगाऊंगी खींचकर। किसी लड़की से पूछेगा नहीं। तमीज रहो, बदतमीजी मत करो। खाते नहीं तेरा...चाबी फेंककर युवती ने कहा, उठा लेना अपनी चाबी...बदतमीज कहीं का। पब चलूंगी तेरे साथ। पढ़ों-लिखो समझ में आया। लड़की छेड़े तो मारूंगी खींचकर।

इस दौरान युवती की फटकर से युवक डर गए और लगातार उससे माफी मांगते रहे और कहते रहे, गलती हो गई।

युवती ने इस पूरी घटना का वीडियो खुद बनाया। इसके बाद थाने में शिकायत की। युवती की शिकायत पर पुलिस ने फौरन कार्रवाई की। वीडियो में दिख रही बाइक नंबर ष्टत्12**पत्रिका**ः1770 के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने दीपक कुमार खुटे (25 वर्ष, निवासी सैंडल, थाना उरगा, कोरबा) और सुरेंद्र कुर्रे (20 वर्ष, निवासी चांपा जगदल्ला, अंबेडकर चौक, थाना चांपा, जांजगीर-चांपा) को हिरासत में लिया।

दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही मोटरसाइकिल को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 183(1), 184, 146, 196 के तहत जब्त किया गया। मामले को कोर्ट में पेश किया गया है।

कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने जानकारी दी कि आरोपी युवकों को दुर्गा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया और कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कोरबा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे महिलाओं का सम्मान करें और शहर की प्रतिष्ठा को बनाए रखें।

ग्राम पंचायत बुंदेली में योजनाओं का संतृप्तिकरण करने हुआ जनसंवाद

ग्रामीणों ने रखी खाद-पानी-बिजली की समस्या, अधिकारियों ने दिए समाधान के आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल के निर्देश पर जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत बुंदेली में एसडीएम मनेंद्रगढ लिंगराज सिदार, तहसीलदार सुश्री श्रुति धुर्वे, जनपद पंचायत के सीईओ सुश्री वैशाली सिंह, खाद्य निरीक्षक, प्रोजेक्ट ऑफिसर, सरपंच एवं पंचगणों की उपस्थिति में एक अहम बैठक आयोजित की गई। जिसमें पटेलपारा, बैगापारा और नवाटोली क्षेत्र के ग्रामीणों से अधिकारियों ने सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान अनेक जमीनी समस्याएं सामने आईं। जिनमें सबसे पहले पटेलपारा सहित पूरे बुंदेली ग्राम में बिजली लाइन अत्यधिक नीचे लटकने की समस्या प्रमुख रही जो जन सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत खतरनाक है, वहीं बैगापारा में पानी की व्यवस्था बेहद दयनीय है जहां केवल एकमात्र हैंडपंप है। उससे भी लाल पानी निकलता है जिसके कारण ग्रामीण जन प्रायः झिरिया और नदी के पानी पर निर्भर हैं। जिससे पीने के पानी की भारी समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अतिरिक्त राशन दुकान की छत से पानी का सीपेज होता है छड़ें बाहर निकल आई हैं। जिससे भवन की मरम्मत अनिवार्य हो गई है। नवाटोली में पेयजल के लिए कुएं की मांग की गई क्योंकि वहां भी हैंडपंप काम नहीं कर रहा। कृषकों ने अपनी बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि उन्हें खाद और बीज के लिए 40 किमी दूर चैनपुर आना पड़ता है। यदि यह सुविधा बंजी में ही मिल जाए तो उनका समय और संसाधन दोनों की बचत हो सकती है। स्कूल परिसर में शौचालय की स्थिति भी चिंताजनक पाई गई। स्ट्रक्चर बने हुए हैं परंतु मरम्मत की आवश्यकता है इसके अलावा नवाटोली से वनग्रामपारा स्कूल जाने वाले रास्ते में पुलिया नहीं होने से बारिश के समय विद्यार्थियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने पुलिया निर्माण की मांग की साथ ही यह भी बताया कि बुंदेली सहित आसपास के 5-6 ग्राम पंचायतों में बिजली विभाग का लाइनमैन नियुक्त नहीं है। जिससे किसी भी विद्युत समस्या के समाधान में भारी परेशानी आती है। ग्रामीणों ने लाइनमैन की शीघ्र नियुक्ति की मांग रखी बैठक में शामिल अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लिया और शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया ।

रीवा/सतना की खबरें

राज्यमंत्री ने वितरित किये पानी के टैंकर

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)।। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना से अपनी रैगांव विधानसभा के लिए ग्राम पंचायतों को पानी के टैंकरों का वितरण किया। राज्यमंत्री ने कहा कि ये बहुउद्देशीय टैंकर न केवल भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे परिवारों तक राहत पहुँचाएँगे, बल्कि आगजनी जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी बचाव कार्य के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा इन टैंकरों का उपयोग सार्वजनिक निर्माण कार्यों (जैसे सड़क निर्माण) में पानी की आपूर्ति, धूल भरी सड़कों पर छिड़काव, सामुदायिक स्वच्छता अभियानों और वृक्षारोपण कार्यर् मों में पौधों की सिंचाई के लिए भी किया जाएगा। राज्यमंत्री ने कहा कि जब किसी घर में पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष होता है या आग लगने पर समय पर मदद नहीं पहुँच पाती। यह केवल व्यवस्था की नहीं, बल्कि हमारी संवेदना और जिम्मेदारी की भी परीक्षा होती है। हमारा प्रयास है कि राहत हर ज़रूरतमंद तक समय पर पहुंचे। आपकी समस्यायें हमारी प्राथमिकता है और आपके सुख-दुख में सहभागी बनना ही मेरा परम कर्तव्य है।

मैहर नगर पालिका कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी की अध्यक्षता में गुरूवार को नगर पालिका कार्यालय मैहर के सभागार में नगरीय निकाय के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्यमंत्री ने नगर पालिका मैहर के लोक निर्माण, जल प्रदाय, आगामी वृक्षारोपण अभियान तथा मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा रि यान्वित सीवर लाइन कार्य एवं वाटर सप्लाई नेटवर्क की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने नगर पालिका के उप विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सीवर लाइन एवं जल आपूर्ति योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण किया जाए। वृक्षारोपण अभियान को जनसहभागिता से संचालित किया जाए। लोक निर्माण विभाग के कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ, हरित एवं विकसित नगरीय वातावरण प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव साझा किये। इस मौके पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, नगर पालिका की अध्यक्ष गीता सोनी, नगर पालिका उपाध्यक्ष शीतल ताम्रकार, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुषमा मिश्रा सहित लोक निर्माण विभाग, जल प्रदाय विभाग एवं एमपी अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के अधिकारीगण, नगर पालिका परिषद के वार्ड पार्षदगण तथा जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

यातायात व्यवस्था सुधारने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। सतना शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और सुचारू सुगम्य यातायात के लिये कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने गुरूवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर पूर्व में किये गये भ्रमण के दौरान निर्देशों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक के बाद सभी संबंधित अधिकारियों के साथ शहर के सिविल लाइन चौराहे में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए स्थल पर जाकर मौके का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओवर ब्रिज के नीचे से पुलिस लाइन की ओर जाने वाले मार्ग को डिवाइडर लगाकर आवागमन बंद करने के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वनिल वानखेड़े, एसडीएम राहुल सिलाडिया, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, डीएसपी ट्रैफिक्र संजय खरे, यातायात प्रभारी पंकज शुक्ला, नगर निगम का अतिर मण दल उपस्थित रहे।

फसल विविधीकरण पर जोर दें-कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि शासन द्वारा खेती को लाभकारी बनाने फसल विविधीकरण पर लगातार जोर दिया जा रहा है। किसानों को आगामी फसल में धान के स्थान पर दलहन और तिलहनी फसलों तथा मोटे अनाज के लिए प्रेरित किया जाये। उन्होंने कहा कि दलहन और तिलहन फसलों की उन्नत बीज किसानों तक पहुंचायें और इनके रकबे में वृद्धि करने के आवश्यक उपाय भी करें। गुरूवार को कलेक्ट्रेट में संपन्न बैठक में रीवा में 18 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा ली जा रही बैठक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, सहायक कलेक्टर अनिकेत शाडिल्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कृषि आदानों की समीक्षा करते हुए कहा कि खेती को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीक किसानों तक पहुंचाये। खेती के साथ-साथ किसानों को पशु पालन, मुर्गी पालन और मछली पालन से जोडकर उन्हें आर्थिक विकास का अवसर दें। विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों से मिले सुझावों को भी कार्ययोजना में शामिल करें। खरीफ सीजन में किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता के लिए आवंटन और वितरण पर लगतार निगरानी रखे। पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा में उप संचालक डॉ. प्रमोद शर्मा ने बताया कि सतना जिले में 3 लाख 10 हजार गाय और 1 लाख 85 हजार भैंस की संख्या 21वीं पशु संगणना में प्राप्त हुई है। जिले में साढे पन्द्रह लाख लीटर दुग्ध का उत्पादन प्रतिदिन हो रहा है और प्रदेश में सतना जिले की रैंक 9वीं पोजीशन पर है। उन्होंने बताया कि सतना जिले के 5 विकासखण्ड में 7 चलित पशु चिकित्सा इकाई कार्यरत है। जिनके माध्यम से 10 हजार 205 पशुओं का इलाज वर्ष भर में किया गया है। मत्स्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में 44 अमृत सरोवर सहित जिले में कुल 1062 ग्रामीण तालाब है। धरती आबा अभियान के चयनित ग्राम 286 है। जिले में 24 मत्स्य समितियां रि याशील है। जिनमें 11 समितियों के खाते बैंक में खुले हुए है। उद्यानिकी विभाग द्वारा बताया गया कि उद्यानिकी फसलों का विस्तार 42 हजार 876 हेक्टेयर क्षेत्र में किया गया है। इसमें वृद्धि कर 58 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृद्धि प्रस्तावित है। जिले में 7693 उद्यानिकी कृषक योजनाओं के लिए पंजीकृत किये गये हैं। सतना जिले में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन के लक्ष्य 63 क विरूद्ध अब तक 36 प्रकरण स्वीकृत किये गये है। उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफमौसम में विगत वर्ष 2 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य पूर्ण किया गया था। इस बार 2 लाख 33 हजार हेक्टेयर में खरीफफसलों के क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य रखा गया है।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (एजेंसी)।मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि सभी अधिकारी आगामी 2-3 दिन सीएम हेल्पलाइन पर फोकस कर अपनी ग्रेडिंग में सुधार लाये और रैंकिंग में ए-ग्रेड में आने का प्रयास करें। गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में सीएम हेल्पलाइन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, जल गंगा संवर्धन अभियान, वृक्षारोपण की तैयारी, जल स्वावलंबी ग्राम, ई-ऑफिस सहित अन्य अंतरविभागीय समन्वय के विषयों पर चर्चा की गई। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, एलडीएम गौतम शर्मा, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, डीएमओ नेहा तिवारी, उप संचालक कृषि मनोज कश्यप, डीपीओ राजेन्द्र बांगरे, सीईओ जनपद एमएल प्रजापति, प्रतिपाल बागरी, सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि मैहर जिला प्रदेश की ग्रेडिंग में 19वें स्थान पर है। इस माह कम शिकायतें आई है। लेकिन संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत 38 है। जल संसाधन विभाग की शिकायत निम्न गुणवत्तापूर्ण बंद की गई है।

राजा की हत्या का मास्टरमाइंड राज कुशवाह

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड सोनम का प्रेमी राज कुशवाह है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले मर्डर का प्लान बना लिया था। मर्डर के बाद सोनम 26 मई से 8 जून तक इंदौर में रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है। मेघालय पुलिस इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस से जुड़े सवालों के जवाब प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दे रही है। 11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बात हुई थी। 2 जून को राजा का शव मिला था। 17 दिन से गायब सोनम 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ।

फडणवीस और राज ठाकरे की डेढ़ घंटे मुलाकात हुई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। ये मीटिंग मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह कार्यक्रम सीएम फडणवीस के शेड्यूल में शामिल नहीं था।अचानक हुई इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि पिछले दिनों शिवसेना और मनसे (यूबीटी) के बीच गठबंधन की जो संभावनाएं थीं, उन पर फिलहाल विराम लग सकता है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा, ये मुलाकात राजनीतिक नहीं हैं। देवेंद्र जी के हर व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध हैं। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 6 जून को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा। राज ठाकरे ने 2006 में शिवसेना से अलग होकर मनसे बनाई थी। महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक निकाय चुनावों होने की संभावना है। 2024 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के खराब प्रदर्शन के चलते दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा तेज है। 2024 के चुनावों में उद्धव की पार्टी को जहां सिर्फ 20 सीटें मिलीं थीं। वहीं, मनसे का खाता तक नहीं खुला था।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 7154 पार, 77 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव केसों की संख्या 7154 पहुंच गई है। एक हफ्ते से औसतन हर दिन 400 नए केस सामने आए। हालांकि, बुधवार को केवल 33 केस दर्ज हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2165 मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते एक हफ्ते में कोरोना से 30 लोगों की जान गई है। नए वैरिएंट से अब तक 77 मौतें हुई हैं। बुधवार को 3 लोगों ने जान गंवाई। महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मरीज की मौत हुई है।

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के किसान अब ऊर्जादाता बनेंगे। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से प्रदेश के किसानों और छोटे निवेशकों को लाभ होगा। योजना का लाभ लेकर किसान बिजली उत्पादक बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि नेट जीरो का लक्ष्य पाने में मध्यप्रदेश के किसान बड़ी भूमिका निभाएंगे। ऊर्जा समिट में एक ही मंच पर निवेशक, किसान, विशेषज्ञ और नीति-निर्माताओं ने उपस्थित होकर समृद्धि के नये द्वार पर दस्तक दी है। प्रदेश में अब तक 80 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे 16 हजार से अधिक कृषि पम्पों को सौर उर्जा से उर्जीकृत किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी आय में बढ़ोतरी एवं आर्थिक विकास के लिये संकल्पित है। मध्यप्रदेश अब देश की सोलर कैपिटल ऊर्जाधानी बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रदेश के रीवा, नीमच और ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा का सशक्त हस्ताक्षर बन रहे हैं। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा प्रदेश के लिए वरदान है।

अब हमारी सरकार छोटे निवेशकों और किसान भाइयों को भी बिजली उत्पादन का अवसर मुहैया कराने जा रही है। अब हमारे अन्नदाता, ऊर्जादाता बनने के पथ पर अग्रसर होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से छोटे निवेशकों के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। इस योजना से वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों के साथ सरकार 25 साल तक बिजली खरीदने का समझौता करेगी। निवेशकों को नीतिगत प्रोत्साहन के साथ सस्ती ज़मीन और तय बिजली रेट मिलेगा। उन्होंने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से किसानों को भी अत्यधिक फायदा होगा। योजना से किसानों को दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी। अन्नदाताओं का आर्थिक सशक्तिकरण होगा। किसानों को रात में बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दिन में 8 घंटे तक लगातार बिजली मिलेगी। किसान बिना रुकावट सिंचाई कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम-सी योजना का विस्तार है। इस योजना में हर गाँव के पास जो कृषि फीडर (जहाँ से किसानों को बिजली मिलती है) है, उसको सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी हो रही है।

किसानों को आवश्यक बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा से हो इसके लिए सम्पूर्ण फीडर और विद्युत सब-स्टेशन का सोलराइज़ेशन किया जाएगा। सरकार ने अलग से लगभग 8 हजार कृषि फीडर्स लगाए हैं, जिन पर करीब 35 लाख कृषि पम्प जुड़े हुए हैं। अब जल्द ही इन सभी फीडर्स पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि किसान भाई खेती के लिये अनुपयोगी या बंजर जमीन पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली बना सकते हैं और सरकार को बेच सकते हैं।

किसानों को बैंकों से समन्वय

सीजेआई बोले- कोर्ट की सतर्कता ज्यूडिशियल टेररिज्म में न बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि ज्यूडिशियल रिव्यू (न्यायिक समीक्षा) की शक्ति का इस्तेमाल संयम से करना चाहिए। ऐसा तभी हो, जब कोई कानून संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करता हो। एक लीगल न्यूज पोर्टल के सवाल का जवाब देते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि कई बार आप (कोर्ट) सीमाओं को पार करने की कोशिश करते हैं और वहां घुसने की कोशिश करते हैं, जहां आमतौर पर न्यायपालिका को प्रवेश नहीं करना चाहिए।

अहमदाबाद विमान हादसा, ब्रिटिश नागरिक समेत 2 लोग जिंदा बचे,240 यात्रियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल दो लोगों के बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। वहीं एक और जिंदा बचा यात्री अस्पताल में भर्ती है। इससे पहले एपी ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या ए आई -171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 कू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है।

कांग्रेस बोली- भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति (डिप्लोमेसी) को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्योता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रम्प ने खत्म करवाया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा

कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। साथ ही चेतावनी और चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर

भाजपा सूत्रों का दावा-मणिपुर में फिलहाल राष्ट्रपति शासन ही रहेगा

इम्फाल (एजेंसी)। जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में फिलहाल भाजपा नई सरकार का गठन नहीं करेगी। मोदी सरकार की प्राथमिकता फिलहाल राज्य में दो वर्षों से जारी मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, जब तक दोनों समुदायों के बीच मेल-मिलाप नहीं हो जाता, तब तक मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटाने की संभावना नहीं है। इससे पहले 15 जून तक राज्य में दोबारा भाजपा सरकार के गठन का दावा किया जा रहा था।

30 अप्रैल को 21 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजकर राज्य में तत्काल लोकप्रिय सरकार

बनाने की मांग की थी। पत्र पर भाजपा के 14 विधायकों ने साइन किए।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में विजय रूपाणी का निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुए प्लेन हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन हो गया। वो पैसेंजर लिस्ट में पैसेंजर नंबर 12 थे। विजय रूपाणी के करीबी नितिन भारद्वाज ने बताया कि रूपाणी लंदन अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है और वो अपने परिवार के साथ लंदन में रहती हैं। उनके अलावा एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन में 241 पैसेंजर सवार थे। विमान लंदन के लिए उड़ान भर रहा था, तभी टेकऑफ के दौरान एयरपोर्ट की बाउंड्री के पास उसमें धमाका हो गया।

कोविड महामारी की पहली और दूसरे दोनों वेव के दौरान रूपाणी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। इस दौरान समय रहते लॉकडाउन लगाने को लेकर एक ओर उनकी तारीफ हुई वहीं दूसरी ओर लचर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर रूपाणी को भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा था।

पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5:33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती हुई दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके वहां से चला जाता है। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील

बनाती थी। उसके इंस्टाग्राम पर 3.86 लाख फॉलोअर्स हैं। अश्लील कंटेंट को लेकर 7 महीने पहले आतंकी अर्श डल्ला ने कमल कौर को मारने की धमकी दी थी।

फ्रांस में जयशंकर ने राष्ट्रपति मैक्रों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को रेखांकित करने के लिए यूरोप के तीन देशों की यात्रा पर हैं। यह यात्रा गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हो रही है। जयशंकर ने मुलाकात के बाद 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन उन्हें प्रेषित किया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

भाजपा के नए अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई तक संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले हो सकता है। अगले हफ्ते से इस दिशा में कवायद तेज हो जाएगी। लगभग 10 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की तरफ से अनौपचारिक

बातचीत में इसके साफ संकेत मिले हैं कि नए अध्यक्ष का चुनाव अब टाला नहीं जाएगा। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। लिहाजा, संगठन में इससे पहले नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

दरअसल, बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। 15 अगस्त के बाद बिहार चुनाव को लेकर हलचल शुरू हो जाएगी।

कर्नाटक- कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला, 90 दिनों में होगा पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार में बेरोजगारी व पलायन को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस ने गुरुवार को राज्य में बढ़ते अपराध, बेरोजगारी और पलायन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को सत्ता से बेदखल करने की कसम खाई। पटना में राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे वरिष्ठ नेता प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए, जिन्होंने नयोजन भवन तक मार्च किया और इसके गेट पर ताले लगा दिए, यह दावा करते हुए कि उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय निष्क्रिय हो गया है। हुड्डा ने संवाददाताओं से कहा, पिछले 20 वर्षों से, यह सरकार राज्य पर शासन कर रही है।

इस अवधि में रिकॉर्ड बेरोजगारी रही है, जिसने करोड़ों लोगों को पलायन करने पर मजबूर किया है। उन्होंने प्रश्नपत्र लीक से अप्रभावित प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करके रिक्त पदों को भरने में कथित रूप से असमर्थता के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस बेरोजगारी के मुद्दे पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, इससे बड़ा कोई मुद्दा नहीं हो सकता। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा, बिहार में 25 स्थानों पर नौकरी दो या सत्ता छोड़ो विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा, राज्य में कुल 25 नियोजन भवन हैं, जिनमें से सभी को बिना नौकरी वाले लोगों का रिकॉर्ड रखने और उन्हें रोजगार देने के लिए कदम उठाने का काम सौंपा गया है। लेकिन, ऐसा लगता है कि ये कार्यालय निष्क्रिय हो गए हैं। इसलिए, हमारे कार्यकर्ता परिसर में ताले लगा रहे हैं ताकि यह रेखांकित किया जा सके कि यदि कार्यालय कोई उद्देश्य पूरा नहीं करते हैं, तो इन्हें बंद करना बेहतर होगा।

प. बंगाल में दुकान खोलने को लेकर दो समुदाय भिड़े

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रवींद्रनगर इलाके में बुधवार को दो समुदायों के बीच दुकान खोलने को लेकर हिंसक झड़प हो गई। उपद्रवियों ने पुलिस थाने के बाहर पथराव किया, टायर जलाए और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया। अब तक 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में 5 लोग घायल हो गए। वहीं, 1 महिला पुलिसकर्मी सहित कई पुलिसवाले भी घायल हुए हैं। स्थिति संभालने के लिए कोलकाता पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी और राज्य के अन्य भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रवींद्र नगर पुलिस स्टेशन के पास मेटियाब्रुज

विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महेशतला के वार्ड नंबर 7 में एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ की गई। शुभेंदु ने इंस्पेक्टर को निलंबित करने की मांग की विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना दिया और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। उन्होंने राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस से रवींद्रनगर थाने के इंस्पेक्टर मुकुल मिया को निलंबित कर उनकी भूमिका की जांच करने की मांग भी की है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि शिव मंदिर में भी तोड़फोड़ की गई। मुकुल मिया ने हिंसा के दौरान जानबूझकर लापरवाही बरती और उपद्रवियों को संगठित होने का मौका दिया। साथ ही उनके राजनीतिक जुड़ाव की भी बात कही। उन्होंने कहा कि मुकुल ने हिंदू पक्ष को प्रताड़ित किया है।

संक्षिप्त समाचार

कुलदीप यादव होगें टीम इंडिया के एस फै टर - हेडन

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अभी अभी इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यासास कर रही है। वहीं इस दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि कुलदीप यादव इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि इस सीरीज में विराट कोहली , रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम की कड़ी परीक्षा भी होगी। हेडन ने कहा कि कुलदीप जैसा कोई गेंदबाज भारत के लिए काफी विकेट ले सकता है। कुलदीप ने अभी तक 13 टेस्ट मैच खेले हैं। जिनमें 24 पारियों में 56 विकेट अपने नाम किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वह इससे पहले 6 टेस्ट खेल चुके हैं जिनमें 11 पारियों में उन्हें 21 विकेट मिले थे। हेडन के अनुसार युवा कप्तान शुभमन गिल के होने से टीम के उभरते हुए खिलाड़ी भी निडर होकर अपना खेल खेलेंगे। मैडन ने कहा कि विराट, रोहित जैसे खिलाड़ी लंबे समय से टीम के साथ रहे हैं। ऐस में उनकी कमी खलना स्वभाविक है पर टीम के पास कई प्रतिभाएं हैं जो उनकी जगह भरने का प्रयास करेंगी। साथ ही कहा कि उपकप्तान ऋषभ पंत भी इस दौर में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा टीम के पास करुण नायर जैस बल्लेबाज भी है जिसके ना एक तिहरा शतक भी है। टीम की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह , मो सिराह ओर अर्शदीप सिंह जैसे तेज गेंदबाज होने से संतुलित है।

वाजा डब्ल्यूटीसी फाइनल में सबसे अधिक गेंद खेलकर शून्य पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

लॉर्ड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा यहां लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ख्वाजा सबसे अधिक गेंद खेलकर शुन्य पर आउट होने वाले संयुक्त रुप से तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। ख्वाजा सातवें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने अपनी पारी में 20 गेंदें खेली थीं। वहीं डब्ल्यूटीसी में इससे पहले तीन सलामी बल्लेबाजों डेविड वार्नर ने 22 गेंदें, शॉन मार्श ने 21 गेंदें और सैमी जोन्स ने 20 गेंदें खेली थीं। इस मैच में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हमने सबसे अच्छा संयोजन चुना है। ये एक बेहतर फाइनल रहेगा। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि पहले बल्लेबाजी में समस्य नहीं है। ये विकेट अच्छा लग रहा है।

सभी खिलाड़ियों ने अच्छी तैयारी की है। टीम बिना किसी दबाव के उतरी है और उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना है।

खुदरा महंगाई के आंकड़े आने से पहले हल्की तेजी पर खुला बाजार

सेंसे स 82,580 और निटी 25,160 के स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े आने से पहले सपाट स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 69.22 अंक बढ़कर 82,584.36 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 23.65 अंक बढ़कर 25,165.05 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 98.65 अंक बढ़कर 56,558.40 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 120.40 अंक गिरने के बाद 59,267.75 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 26.40 अंक की गिरावट के बाद 18,772.35 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी कल उच्च स्तर पर बंद हुआ, लेकिन अपने इंट्रा-डे पीक से फिसल गया। इस बीच सेंसेक्स पैक में, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और एचडीएफसी बैंक टॉप गेनर्स रहे। जबकि, इंफोसिस, इटरनल, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक टॉप लूजर्स रहे। एशियाई बाजारों में, हांगकांग, बैंकॉक, जकार्ता और जापान लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि सोल और चीन हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। पिछले कारोबारी सत्र में, अमेरिका में डॉव जोन्स 1.10 अंक की गिरावट के साथ 42,865.77 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 16.57 अंक की गिरावट के साथ 6,022.24 पर और नैस्डैक 99.11 अंक की गिरावट के साथ 19,615.88 पर बंद हुआ।

रुपया सात पैसे चढ़कर 85.46 डॉलर पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरुआत से रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुला। फिर 85.46 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.02 पर रहा।

सोना 98,000 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,06,200 पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को दोनों के भाव तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 98,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 946 रुपये की तेजी के साथ 97,650 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,704 रुपये था। इस समय यह 1,355 रुपये की तेजी के साथ 98059 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 458 रुपये की तेजी के साथ 1,05,850 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,392 रुपये था। इस समय यह 868 रुपये की तेजी के साथ 1,06,260 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा में तेजी देखने को मिल रही है।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर टीनो बेस्ट ने 500 से अधिक लड़कियों से बनाये संबंध

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर टीनो बेस्ट अपने एक बयान के कारण विवादों में फंस सकते हैं। टीनो ने दावा किया है कि उनके अलग-अलग देशों में 500 से अधिक लड़कियों के साथ संबंध रहे है। टीनो ने अपने करियर में वेस्टइंडीज की ओर से 26 टेस्ट और 25 एकदिवसीय मैच खेले थे। वह कभी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम में नहीं रहे हैं पर विदेशी दौरों में उन्होंने कई देशों में कई लड़कियों के साथ संबंध बनाए। ये खुलासा उन्होंने अपनी आत्मकथा 'माइंड द विंडोज माई स्टोरी' में किया है। इस कैरिबियाई क्रिकेटर ने कहा - मुझे लड़कियां पसंद हैं और लड़कियां भी मुझे पसंद करती थीं। मुझे लगता है कि मैं दुनिया का सबसे अच्छा दिखने वाला गंजा आदमी हूं। एक क्रिकेटर के रूप में मैं जहां भी गया, मैंने लड़कियों से बात की, लड़कियों को डेट किया और लड़कियों के साथ संबंध बनाये। मुझे लगता है कि मैंने दुनिया भर में 500 से 650 लड़कियों के साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। वहीं बेस्ट ने अपनी पत्नी और बेटी के बारे में भी लिखा है है। उन्होंने लिखा, मेरा पहला प्यार मेलिसा से मेरी एक खूबसूरत बच्ची हुई जिसका नाम तमनी था, लेकिन हमारे साथ चीजें खराब हो गईं। साथियों ने मुझसे कहा था कि एक बार जब मैं बारबाडोस के लिए विकेट लूंगा, तो वह मेरे लिए वापस आएगी। मैंने ऐसा ही किया था, पर वह वापस नहीं आई तो में गलत राह में पड़ गया। ऐस में अगर मुझे कोई लड़की पसंद आती, तो मैं उससे बात करता।

यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे ऋतुराज गायकवाड़

लंदन (एजेंसी)। बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ अब यॉर्कशायर की ओर से काउंटी चैंपियनशिप में खेलते हुए नजर आयेंगे। ऋतुराज ने इस सत्र के लिए यॉर्कशायर से करार किया है। वह आईपीएल 2025 में चोट के कारण बीच में ही हट गये थे। घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए दावेदार माना जा रहा था पर उन्हें अवसर नहीं मिला। ऐसे में ये क्रिकेटर अब काउंटी में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में दावेदारी पेश करना चाहता है। ऋतुराज 22 जुलाई से इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में खेलते दिखेंगे। वह 22 जुलाई से सीजन के अंत तक यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप और मेट्रो बैंक वनडे कप में भी खेलेंगे। गायकवाड़ ने अपने बेहतरीन घरेलू और आईपीएल प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने 2016-17 रणजी ट्रॉफी में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया और तब से महाराष्ट्र टीम की कप्तानी कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं, जबकि लिस्ट ए क्रिकेट में 56.15 का औसत और 16 शतक उनकी क्षमता दर्शाती है। आईपीएल में हालांकि उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंतिम स्थान पर रही।

जब आईपीएल में विराट को आउट कर बुमराह ने बनायी थी पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह आज भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है। 2013 में जसप्रीत बुमराह ने केवल 19 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए विराट को गेंदबाजी की थी। तब विराट विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल थे जबकि बुमराह एक उभरते हुए तेज गेंदबाज। तब किसी को अंदाजा नहीं था कि एक दिन बुमराह भारतीय टीम के डेथ ओवरों के विशेषज्ञ गेंदबाज बन जाएंगे। बुमराह को जब इस मैच में डेब्यू करने का मौका मिला। तो उन्होंने अपने पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी की। इससे सबसे बड़ी उनकी उपलब्धि विराट का विकेट लेना रहा।.विराट आउट होने से पहले विराट कोहली उस समय अच्छी लय में दिख रहे थे और बुमराह की पहला 4 गेंदो पर 3 चौके लगा चुके थे पर बुमराह की एक अंदर आती गेंद को वह समझ नहीं पाए और एलबीडब्यलू हो गए। यह पल आईपीएल इतिहास में इसलिए खास बन गया क्योंकि एक युवा गेंदबाज़ ने सबसे बड़े बल्लेबाज़ को पहली ही टक्कर में आउट कर दिया। इस पहले ही मैच में बुमराह ने तीन विकेट लेकर सभी का ध्यान खींचा। इस मैच ने बुमराह को काफी लाभ हुआ क्योंकि विराट कोहली को आउट करना एक बड़ी उपलब्धि थी और इससे उनका मनोबल भी बढ़ा जिससे बाद बुमराह लगातार आगे बढ़ते गये। आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद वह भारतीय टीम में पहुंचे और उसके बाद लगातार ऊंचाईयों पर जाते रहे। साल 2013 की उस टक्कर ने न केवल ने भारतीय क्रिकेट को बुमराह जैसा शानदार गेंदबाज दिया । बुमराह आज भी उस मैच केा नहीं भूल पाये हैं।

पूरन ने इन कारणों से लिया होगा संन्यास !

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन के केवल 29 साल की उम्र में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसक भी हैरान है। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी पूरन ने इतनी जल्दी संन्यास क्यों लिया। साल 2015 में चोटिल होने के बाद डॉक्टरों ने पूरन से कहा था कि वह अब शायद ही आगे खेल पायें। इसके बाद भी इस क्रिकेटर ने अपनी मेहनत, रिहैब और इच्छाशक्ति के बल पर वापसी करते 60 से ज्यादा एकदिवसीय और 100 से ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच वेस्टइंडीज के लिए खेले हैं। ऐसे में जब उनकी फिटनेस भी अच्छी है और उनका बल्ला भी अच्छा चल रहा है तब उनके संन्यास का कारण समझ में नहीं आ रहा। इन हालातों में उनके संन्यास को लेकर अलग-अलग कारण बताये जा रहे हैं।

1 विदेशी लीग में मिलने वाला पैसा- इसका एक सबसे बड़ा कारण विदेश लीग में खेलने का अधिक समय मिलना है। पूरन ने हाल ही मैं आईपीएल में भी खेला था। विदेश लीग में जितन पैसा वह कमा सकते हैं। उसका अच्छा भी वेस्टइंडीज की ओर से खेलने में नहीं मिलेगा। वह अगर टीम के लिए 10 साल खेलें तब जाकर उनको इतने पैसे मिलेंगे, जितनी उनकी आईपीएल 2025 की कमाई थी। करीब दो करोड़ रुपये एक सत्र के लिए वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को मिलते हैं, जबकि आईपीएल 2025 सत्र में ही दो महीने में पूरन ने 21 करोड़ कमा लिए हैं। ऐसे में उनके संन्यास का सबसे बड़ा कारण है अब वह अलग-अलग लीग में खेलकर मोटी कमाई कर सकेंगे।

2 बोर्ड से मतभेद- इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच हाल ही में तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों सीरीज और इतने ही मैचों की अब टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के लिए पूरन ने ये कहकर नाम वापस ले लिया था कि वह आईपीएल में व्यस्त हैं। हालांकि, वे टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध हो सकते थे पर फिर भी वे इस सीरीज से दूर रहे। ऐसे में माना जा रहा है कि उनके और बोर्ड के बीच मतभेद होंगे। ये भी उनके संन्यास का कारण हो सकता है।

3 मानसिक थकान- जब आप लंबे समय तक क्रिकेट खेलते हैं तो आपको शारीरिक थकान होती ही है, लेकिन साथ में मानसिक थकान भी इन दिनों एक बड़ी समस्या है। हो सकता है कि इन्हीं चीजों से बचने के लिए उन्होंने संन्यास लिया हो। आईपीएल 2025 के बाद उनको अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलनी थी और फिर कुछ महीने बाद कैरेबियन प्रीमियर लीग का आयोजन होना है। अगर कोई क्रिकेटर दो प्रारुप में खेलता है और दो या इससे ज्यादा लीग में खेलता है तो उसके पास तरोताजा होने का का पर्याप्त समय नहीं होता है।

अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लगे हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से स्टार बने 14 साल के वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में लग गये हैं। वैभव ने इसी दौरान 90 गेंदों में 190 रन बना दिये। वैभव ने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास मैच के दौरान 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। भारतीय अंडर-19 टीम 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड दौरे पर रहेगी। ये टीम इस दौरान मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांच एकदिवसय और दो चार दिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा 50 ओवर का एक अभ्यास मैच भी होगा। वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड दौरे पर कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वैभव ने अपनी पहचान 12 साल की उम्र से ही पहली बार तब बनायी थी जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में डेब्यू कर सबको हैरान कर दिया था। वहीं जब उन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंद में शतक लगाय तो सभी देखते रह गये। उन्होंने यह पारी भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली थी. यह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। एनसीए में खेले गए अभ्यास मैच में भी वैभव सूर्यवंशी ने वही अंदाज दिखाया जिसके लिए उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। वैभव ने मंगलवार को खेले गए इस प्रैक्टिस मैच में लॉन्ग-ऑन, मिडविकेट के ऊपर से लंबे-लंबे छक्के जड़े. इतना ही नहीं उन्होंने पॉइंट के ऊपर से भी छक्का मारा। उनकी इस पारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

शमी की कमी पूरी करने को तैयार हैं अर्शदीप

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के इस दौरे में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बिना ही उतरना होगा। ऐसे में उनकी कमी पूरी करने के लिए बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह तैयार हैं। अर्शदीप ने यहां काउंटी क्रिकेट खेली है जिसका लाभ भी उन्हें मिलने की संभावना है। अर्शदीप ने अब तक 9 एकदिवसीय और 63 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह भारतीय टीम के लिए अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के तैयार है। भारतीय टीम 13 जून से भारत ए के खिलाफ केंट में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। अर्शदीप ने कहा, 'अभ्यास सत्र में मेरा लक्ष्य लय हासिल करना था जिसमें मुझे सफलता मिली है। हम लगातार सफेद गेंद का प्रारूप खेल रहे थे तो अब लाल गेंद से खेलकर अच्छा लगा। अभ्यास से हम और बेहतर होते जाएंगे और बल्लेबाजों के लिए गेंद को खेलना आसान नहीं होगा। अर्शदीप ने कहा कि वह जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करके अपने कौशल को बेहतर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं गेंद पकड़ता हूं तो मुझे लगता है कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं पर जब आपके गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज हैं तो तुलना तो हो ही नहीं सकता। बस इतना ध्यान रहता है कि हम अपने खेल में बेहतर बनाकर एक दूसरे और टीम की सहायता कर सकते हैं।' अर्शदीप ने कहा, ' अभ्यास के दौरान गेंदबाजी में आनंद आया। हम अभ्यास के लिए खेल रहे थे पर इस दौरान हमारे प्रयास में कोई कमी नहीं थी। हम ये मानकर चल रहे थे जैसे कि वास्तव में मैच खेल रहे हों।

दीपिका पादुकोण पीएसबी के नाम से देश भर में 75 बैडमिंटन कोचिंग सेंटर खोलेंगी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण बैडमिंटन की भी अच्छी खिलाड़ी रही है। बैडमिंटन उनको विरासत में मिला है। उसके पिता प्रकाश पादुकोण ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियन रहे हैं। दीपिक फिल्मों में आने से पहले राष्ट्रीय स्तर पर भी बैडमिंटन खेलती थीं। दीपिका ने बताया कि बैडमिंटन उनका पहला प्यार है इससे खेलते हुए बड़ी हुई हैं। इस खेल ने उनकी ज़िंदगी को नया लक्ष्य दिया है। ऐसे में वह चाहती हैं कि और लोग भी इस खेल से जुड़ें, इसके लिए वह उन्होंने पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी) के नाम से 75 नए सेंटर खोलने जा रही है। दीपिका ने सोशल मीडिया में एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें वह अपने पापा प्रकाश पादुकोण के साथ नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए इस अभिनेत्री ने लिखा, मैंने बचपन में बैडमिंटन खेला है, और मैंने अनुभव किया है कि यह खेल इंसान की जिंदगी को कई तरीकों से बदल सकता है, शारीरिक, मानसिक और भावनाओं से भी।दीपिका ने कहा कि पीएसबी के 75 नए सेंटरों के जरिए हम चाहते हैं कि बैडमिंटन की खुशी और अनुशासन हर क्षेत्र के लोगों तक पहुंचे। हमारा लक्ष्य है कि एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो, जो सेहतमंद हो, ध्यान से काम करे और खेलों से प्रेरित हो। इसमें प्रकाश पादुकोण मार्गदर्शन देंगे। पीएसबी अपने पहले ही साल में भारत के 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर्स शुरू करेगा। इन शहरों में बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयंबटूर, सांगली और सूरत जैसे शहर शामिल हैं। बैडमिंटन फॉर ऑल के मिशन के साथ, पीएसबी का लक्ष्य है कि साल के अंत तक 100 सेंटर्स और अगले तीन सालों में 250 सेंटर्स तक पहुंचा जाए। इसमें आगे कहा गया है कि अकादमी का मकसद है कि अच्छी और किफायती बैडमिंटन कोचिंग हर किसी को मिल सके, चाहे वह किसी भी उम्र का हो। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में बनाई गई कोचिंग पद्धति के जरिए, यह संस्था देश भर के स्कूल के बच्चों और कामकाजी लोगों को बैडमिंटन से जोड़ना चाहती है। साथ ही, यह उन लोगों को भी मदद देना चाहती है जो बैडमिंटन कोच बनना चाहते हैं, ताकि उन्हें अच्छी ट्रेनिंग और एक स्थिर करियर मिल सके। उनका लक्ष्य पहले से मौजूद स्पोर्ट्स वेन्यू के साथ मिलकर छोटे-छोटे ट्रेनिंग सेंटर शुरू करता है। इन सेंटर्स से चुने गए अच्छे खिलाड़ी बेंगलुरु में मौजूद इसके तीन बड़े हाई-परफॉर्मेंस सेंटर्स में एडवांस ट्रेनिंग के लिए भेजे जायंगे। इसमें 100 से ज्यादा कोचों को एक खास ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत तैयार किया गया है। इसके साथ ही, पीएसबी के पास सबसे आधुनिक सुविधाएं हैं।

निराला नगर में उल्टी दस्त से 4 लोगों की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के वार्ड 9 निराला नगर में उल्टी दस्त का कहर देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि उल्टी दस्त की वजह से पिछले 24 घंटे में कोल परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई है। जिसमें दो महिलाएं, एक युवती सहित एक साल का मासूम शामिल है। वहीं कई लोगों का चल रहा उपचार। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार का स्वास्थ परिक्षण कर वापस लौट गई। पीड़ित परिवार में एक के बाद एक चार मौतों के बाद अब हालत यह है कि उनके पास अंतिम संस्कार के लिए पैसे नहीं बचे हैं। ऐसे में पीड़ित परिवार घर पर ही शव रखकर प्रदर्शन करते हुए सरकारी सहायता की मांग कर रहा है। यह घटना निराला नगर में सरस्वती स्कूल के पीछे का है। जहां रहने वाले कमला प्रसाद कोल के घर में उल्टी-दस्त से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है की 7 जून को कमला प्रसाद के नाती की शादी थी। इसके दो दिन बाद से उनके घर में उल्टी-दस्त से मौत का सिलसिला शुरू हो गया। अब तक इस घर में देववती कोल, ज्योति कोल, छोटाही कोल सहित एक साल के मासूम बच्चे की मौत हो चुकी है।

दुष्कर्म का आरोपी सतना पुलिस की हिरासत से भागा

रीवा के बीड़ा में ग्रामीणों ने पुलिस को घेरा, फायदा उठाया; ससुराल में छिपा, पकड़ाया नहीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में एक दुष्कर्म का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया। घटना 10 जून की है। इसकी जानकारी दो दिनों बाद लगी। दरअसल सभापुर थाने के प्रधान आरक्षक सुरेश सिंह बैश और आरक्षक पप्पू यादव आरोपी पवन शर्मा को सीधी जिले के चुरहट से सभापुर थाने ला रहे थे।

बीड़ा सेमरिया के पास एक बाइक सवार पुलिस वाहन के सामने आ गया। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों को घेर लिया और उनसे विवाद करने लगे। इस माहौल का फायदा उठाकर आरोपी पवन शर्मा फरार हो गया।

एसडीओपी रोहित राठौर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही बीड़ा पुलिस और डायल 100 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और प्रधान आरक्षक को सेमरिया भेज दिया। सेमरिया थाने में फरारी का केस दर्ज किया गया है।

मामले की शुरुआत 10 जून को हुई, जब एक महिला ने पिपरी टोला निवासी पवन शर्मा पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। सभापुर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी का मोबाइल नंबर ट्रेस किया। चुरहट थाना पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ा गया था। आरोपी की तलाश के लिए दो टीमें लगाई गई हैं।

ससुराल में छिपा था आरोपी: आरोपी पवन शर्मा अपनी ससुराल चुरहट भाग गया था। अब आरोपी पर न केवल दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं अब उसके खिलाफ पुलिस अभिरक्षा से फरार होने का प्रकरण भी पंजीबद्ध हो चुका है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीम हर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। हालांकि अभी तक उसे पकड़ा नहीं जा सका

गैंगरेप मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए

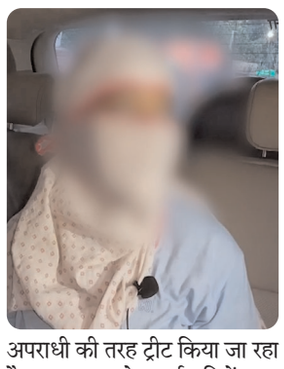

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में नाबालिग के साथ कथित गैंगरेप के मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।पीड़िता और उसके परिजन का कहना है कि 8 और 9 मई की दरम्यानी रात अस्पताल के तीन वॉर्ड बॉय और एक अन्य ने मिलकर उसके साथ गैंगरेप किया। लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने में टालमटोल की। सिर्फ छेड़छाड़ की धाराओं में एफआईआर की। परिजन का ये भी आरोप है कि हमें दिन में थाने बुलाने की बजाय रात में रेस्ट हाउस बुलाया और बार-बार समझौता करने का दबाव बनाते रहे।

पीड़िता के भाई ने बताया कि, बहन के साथ गैंगरेप की घटना हुई है। मामला सामने आने के बाद पूछताछ का कहकर पूरे परिवार को 24 घंटे तक बंधक बनाया गया। इस दौरान खाने-पीने तक के लिए कुछ भी नहीं दिया। वहीं पीड़िता के पिता का कहना है कि, न्याय मांगने पर हमें अपराधी की तरह ट्रीट किया जा रहा है। अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा घटना को इस तरह से दबाने की कोशिश की जा रही है जैसे कि मेरी बेटी को अगर न्याय मिल जाएगा तो किसी का कुछ बिगड़ जाएगा। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि संजय गांधी अस्पताल के डॉक्टर्स ही मेडिकल रिपोर्ट को बनाते हैं। रिपोर्ट के साथ अगर छेड़छाड़ हो जाए तो हम क्या करेंगे, कहां जाएंगे। कोर्ट मामले को संज्ञान में ले। उन्होंने कहा, घटना को छिपाने के लिए इस तरह का काम किया जा रहा है।

24 मामलों में इनामी बदमाश गिरफ्तार, चोरी के दौरान किया था दुष्कर्म

बदमाश पर 1.33 लाख रुपए का इनाम घोषित था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लंबे समय से फरार शातिर बदमाश शिवेन्द्र उर्फ सूरज गोड़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 24 आपराधिक मामलों में वांछित इस बदमाश पर 1.33 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आरोपी ने एक घर में चोरी के दौरान अकेली महिला के साथ बलात्कार भी किया था। उसके पास से चोरी का काफी सामान बरामद हुआ है। पुलिस पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

जानकारी के मुताबिक गढ़ थाने के रोझोही निवासी शिवेन्द्र उर्फ सूरज को पकडने के लिए पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने स्पेशल टीम गठित की थी, जो लगातार उसका लोकेशन ट्रेस कर रही थी। आरोपी का घर जंगल से सटा होने के कारण वह हर बार पुलिस को चकमा देकर भाग जाता था। लेकिन इस बार पुलिस ने जाल बिछाया और लालगांव चौकी क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सतना में जंगली सुअर के हमले से एक की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना के खोहर अंतरहार गांव में गुरुवार सुबह 5 बजे जंगली सुअर के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं 3 अन्य लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही कोटर थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तीनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटर ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मृतक की पहचान मौहार थाना कोठी निवासी दादोली पाल (65) के रूप में हुई है। घायलों में मौहार निवासी बबलू पाल (26), रखौंधा निवासी शकुंतला सोधिया (50) और घाटबेलवा निवासी देवेंद्र पटेल (30) शामिल हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार मृतक दादोली पाल ने खोहर गांव में नदी के किनारे भेड़ बकरियों का बाड़ा बना रखा था। गुरुवार सुबह वहां अचानक जंगली सूअर आ गए और बुजुर्ग को देखते ही उस पर हमला कर दिया। जब बीच बचाव के लिए कुछ अन्य ग्रामीण पहुंचे तब उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी तरह से तीन लोगों की जान बच गई लेकिन ददोली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। घटना के समय वो नदी किनारे बकरियां और भेड़ चरा रहे थे। बताया गया है कि वो वहीं झोपड़ी बना कर रहते थे।

वन अधिकारी एसडीओ डॉ. लाल सुधाकर सिंह ने बताया कि 25 सदस्यीय टीम जंगली सूअरों के रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। झुंड को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

रीवा-मऊगंज में रिश्ता बनाकर लूटने वाले बदमाशों की गैंग का खुलासा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज में कोहराम मचाने वाली बदमाशों की गैंग का मैहर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह का सरगना अपने फोरव्हीलर वाहन के साथ पुलिस के हाथ लगा है, जिसने तीन दिन पूर्व मऊगंज में महिला से लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ के लिए मऊगंज पुलिस भी मैहर पहुंची है। जानकारी के मुताबिक मैहर जिले के उचेहरा थाना के चौधार निवासी ज्योति सिंगरौल को आरोपियों ने 9 जून को लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठाया और बाद में महिला से जेवर लूट लिए। इस घटना की शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई, जिस पर थाना प्रभारी अनिमेश द्विवेदी ने स्टाफ के साथ घेराबंदी कर बदमाश को पकड़ा और पूछताछ करने पर उसने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की पहचान देवेन्द्र यादव उर्फ लाला निवासी शिवपूर्वा थाना गोविन्दगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी ने पूछताछ में तीन दिन पूर्व मऊगंज में एक महिला को झासां देकर गाड़ी में बैठाने और उसके पांच हजार रुपए व जेवर लूटने की घटना को अंजाम देना भी स्वीकार किया है। आरोपी महिलाओं और बुजुर्गों को टारगेट करते थे। उनको फूफा, मामा, मौसा सहित अन्य अन्य संबोधन से परिचित बताते थे और लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठा लेते थे। बाद में सूनसान स्थान देखकर उनको लूटकर चंपत हो जाते थे।

रीवा में पानी लेने डंपर से उतरे खलासी को तेज रफ्तार वाहन ने कुचला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में पानी लेने के लिए डंपर से नीचे उतरे खलासी को सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वारदात के बाद दुर्घटना कारित वाहन मौके से फरार हो गया। घटना बीती रात रीवा-प्रयागराज हाइवे पर करीब 2 बजे रायपुर कर्चुलियान थाने के समीप हुई। मृतक की पहचान मनगवां थाना के मनिकबार स्थित ग्राम जरहा निवासी सचिन लोनिया के रूप में की गई। जानकारी के मुताबिक सचिन डंपर वाहन में खलासी का काम करता था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पंचनामा कार्रवाई कर पीएम कराया गया। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुरैना के ट्रैक्टर ऑपरेटर को लूटने के बाद गोली मारकर की हत्या

खेत की लेवलिंग का काम करने आया था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र के घुमा कटरा गांव में बुधवार देर रात एक ट्रैक्टर ऑपरेटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक मुरैना जिले का रहने वाला बीरबल साकेत खेत की लेवलिंग का काम करने रीवा आया था।

हमलावरों ने लूटपाट के बाद घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर तीन की संख्या में थे और नकाब पहने हुए थे। उन्होंने बीरबल साकेत से करीब डेढ़ लाख रुपए लूटे और फिर कट्टे से गोली मार दी। गोली लगने से बीरबल की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के बेटे अजीत कुमार साकेत ने बताया कि मैं पास ही सो रहा था, तभी पिता की चीख सुनाई दी। भागकर पहुंचा तो देखा बदमाश उन्हें घेर चुके थे। मैंने रोकने की कोशिश की, लेकिन मेरे साथ भी हाथापाई हुई। इससे पहले कि कुछ समझ पाता, तीनों भाग गए। घटना की सूचना पर गढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया।

सतना में परीक्षा देने आए बिहार के युवक की हत्या

सिर पर पत्थर से हमला, दोनों पैर गमछे से बंधे मिले; नहर किनारे मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में डीएलएड की परीक्षा देने आए 29 साल के युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बिहार के मधेपुरा जिले निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। उसका शव बुधवार को खम्हरिया पयसियान स्थित नहर किनारे मिला था, जिसकी पहचान गुरुवार को की गई।

पुलिस ने बताया कि शव के दोनों पैर गमछे से बंधे हुए थे और सिर पर पत्थर से हमला किया गया था। घटनास्थल पर खून के छींटे और एक खून से सना पत्थर मिला है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वारदात स्थल पर ही उसकी हत्या की गई। मृतक पवन कुमार 22 मई को अपने साथी अभिषेक सिंह के साथ परीक्षा देने सतना आया था। दोनों धवारी इलाके में किराए के कमरे में रह रहे थे। 11 जून को उनका आखिरी पेपर था। सुबह करीब 7 बजे वे एमएलबी स्कूल परीक्षा केंद्र पहुंचे, लेकिन पवन केंद्र के अंदर नहीं गया। इसके बाद वो लापता हो गया।

अभिषेक ने बताया कि पवन परीक्षा नहीं दे सका। परीक्षा के बाद वो कमरे पर भी गया, लेकिन वहां भी पवन नहीं मिला। इसके बाद अभिषेक ने सिटी कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

बुधवार को नहर के पास शव मिलने के बाद पुलिस ने सोशल मीडिया पर मृतक की फोटो वायरल की। गुरुवार को जब पुलिस ने अभिषेक को शव दिखाया, तो उसने मृतक की पहचान पवन कुमार के रूप में की।

पुलिस का कहना है कि वारदात को सुबह 7 से साढ़े 9 बजे के बीच अंजाम दिया गया है। ऐसे में एमएलबी स्कूल से लेकर घटना स्थल तक के रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हत्या के पीछे दो से तीन लोगों के शामिल होने की आशंका है।

वैज्ञानिक डॉ. महेंद्र सिंह और उनकी फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर भौतिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। आरोपियों का फिलहाल कोई सुराग नहीं मिला है।

रीवा में सड़क हादसे में फूफा और भतीजा घायल, एक गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र अंतर्गत इटौरा बाईपास के पास अज्ञात ट्रक की टक्कर से फूफा और भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हादसा आज गुरुवार की सुबह हुआ।

घायलों में एक धीरज सोनी है जो गंगेव के निवासी हैं, जबकि दूसरे उनके फूफा जी हैं। दोनों लोग बाइक में सवार होकर गंगेव जा रहे थे तभी सड़क हादसे का शिकार हो गए। जिसमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलाने पर हरिहरपुर के सरपंच जयप्रकाश सिंह ने अपने वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

प्रमुख सचिव ने दिये निर्देश, कलेक्टर घरों में नल कनेक्शन की हर सप्ताह समीक्षा करें

घरों में नल कनेक्शन का लक्ष्य 15 अगस्त तक पूरा करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव श्री पी नरहरि ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से रीवा तथा शहडोल संभाग में एकल नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने कहा कि सभी एकल नलजल योजनाएं एक माह में पूरी कराकर उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। नलजल योजनाओं से घरों में नल कनेक्शन का शत-प्रतिशत लक्ष्य 15 अगस्त तक पूरा करें। इसके लिए कार्यपालन यंत्री मंथवार लक्ष्यपूर्ति की कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप समस्त कार्यवाहियाँ करें। सभी कलेक्टर नलजल योजनाओं की प्रगति तथा नल कनेक्शन की हर सप्ताह समीक्षा करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नलजल योजनाओं का कार्य पूरा कराने और घरों में नल कनेक्शन के लिए ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा अन्य विभागों के उपयंत्री तैनात करें। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तय समय सीमा में पूरा कराएं। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि शहडोल और रीवा जिलों में घरों में नल कनेक्शन की सर्वाधिक संख्या शेष है। संबंधित कार्यपालन यंत्री इसके लिए विशेष प्रयास करें। निर्माण एजेंसियों के आवश्यक होने पर तत्काल टेण्डर जारी करें। निर्माण एजेंसियों के पास सामग्री की उपलब्धता तथा संसाधनों का भी आकलन कर लें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में घरों में कार्यशील नल कनेक्शन तय समय सीमा में पूरे कर दिए जाएंगे। कार्य की प्रगति की मैं स्वयं हर सप्ताह समीक्षा करूंगा। लापरवाही बरतने वाले संविदाकारों और अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री रीवा और मऊगंज संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री डीएल कनेल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा के शासकीय विद्यालय के शौचालय में मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के बिछिया थाना अंतर्गत ग्राम रीठी के स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शौचालय में अज्ञात युवक की लाश आज सुबह मिली है। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक शव अमित पटेल निवासी ग्राम सीधी की है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।